दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 54/ अंक 168/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
आरएनआई 22296/71 डाक पंजीयन म.प्र./भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 14 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

मकर सक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

पहला अमृत स्नान
आस्था का सैलाब
2 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी
तलवारें लहराते पहुंचे नागा साधु, 7 संन्यासी अखाड़ों वैरागी का स्नान

प्रयागराज। महाकुंभ का पहला अमृत स्नान (शाही स्नान) आज सुबह 6.15 बजे से शुरू हुआ। संन्यासियों के हाथों में तलवार-त्रिशूल, डमरू। पूरे शरीर पर भभूत। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए नागा साधु-संत संगम पहुंच रहे हैं। दोपहर 2 बजे तक 2 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इस हिसाब से 30 घंटे में 3 करोड़ लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई। हालात संभालने के लिए आर्मी को भी स्टैंड बाई पर रखा गया है।

जूना अखाड़े समेत 7 संन्यासी अखाड़ों के संत स्नान कर चुके हैं। अब वैरागी अखाड़ों के संत संगम में स्नान करने के लिए निकले हैं। महाकुंभ में पहली बार शाही स्नान की जगह अमृत स्नान शब्द का इस्तेमाल किया गया। अखाड़ों ने नाम बदलने का प्रस्ताव दिया था। संगम जाने वाले सभी रास्तों में 8 से 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला है। स्नान के लिए सभी 13 अखाड़ों को अलग-अलग 30-40 मिनट का समय दिया है। संगम पर दुनियाभर का मीडिया और 50 से ज्यादा देशों के श्रद्धालु हैं।

किन्नर अखाड़े के संतों ने किया अमृत स्नान

किन्नर अखाड़े के संतों ने अमृत स्नान किया। किन्नर अखाड़े के संत रथों पर सवार होकर संगम तट पर पहुंचे। किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा कि आज हम संगम तीर्थ पर हैं। यह महाकुंभ 2025 का पहला अमृत स्नान है और हमें बहुत खुशी है कि हमें अमृत स्नान में भाग लेने का मौका मिला। सभी को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं।

जापान से आईं योगमाता भी महाकुंभ में पहुंची

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के दूसरे दिन अमृत स्नान के मौके पर जापान से आईं योगमाता केइको आइकावा भी पहुंची। उन्होंने कहा कि मैं बहुत उत्साहित महसूस कर रही हूं। मैं सभी को आशीर्वाद देती हूं।

महिला नागा संन्यासी भी जुटीं

पुरुष नागा साधुओं के साथ ही महिला नागा संन्यासियों की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। पुरुष नागाओं की तरह ही महिला नागा संन्यासी भी उसी ढंग से तप और योग में लीन रहती हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि ये गेरुआ वस्त्र धारत करती हैं उसमें भी ये बिना सिलाया वस्त्र धारण करती हैं। उन्हें भी परिवार से अलग होना पड़ता है। खुद के साथ परिवार के लोगों का पिंड दान करना होता है तब जाकर महिला नागा संन्यासी बन पाती हैं। जब एक बार महिला नागा संन्यासी बन जाती हैं तो उनका लक्ष्य धर्म की रक्षा, सनातन की रक्षा करना होता है। इस महाकुम्भ में हर कोई इनके बारे में जानने को उत्सुक नजर आ रहा है।

मकर संक्रांति पर महाकाल को लगा तिल-गुड़ का भोग
नर्मदा-क्षिप्रा घाटों पर श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

भोपाल। मकर संक्रांति पर्व पर मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी और शिप्रा नदी के घाटों पर सुबह से भी श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। उज्जैन में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य किया और भगवान महाकाल का आशीर्वाद भी ले रहे हैं।

महाकाल मंदिर में भगवान महाकाल को तिल के तेल से स्नान कराने और तिल्ली के पकवानों का भोग लगाया गया। भगवान को गुड़ और शक्कर से बने तिल के लड्डुओं का भोग लगाकर जलाधारी में भी तिल्ली अर्पित की। इसके साथ ही मंडला, खरगोन, खंडवा, जबलपुर, मंडला और छिंदवाड़ा में भी श्रद्धालु स्नान कर भगवान की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। छिंदवाड़ा के गर्म कुंड में स्नान कर लोगों ने कुंडेश्वर भोलेनाथ की पूजा की।

इंदौर के नेहरू स्टेडियम में पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया है। यहां कई लोग पतंगबाजी का आनंद ले रहे हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक महेंद्र हार्डिया ने भी पतंगबाजी, सितोलिया और गिल्ली डंडे के खेल का मजा लिया। संक्रांति पर सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर होता है।

प्रधानमंत्री ने किया मिशन मौसम का शुभारंभ
मकर संक्रांति पसंदीदा पर्व, आज गुजरात के लोग छत पर ही होते हैं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस के समारोह में भाग लिया और मिशन मौसम का शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी ने मकर संक्रांति को अपना पसंदीदा त्योहार बताया। उन्होंने कहा कि मैं गुजरात का रहने वाला हूं। मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार मकर संक्राति हुआ करता था। आज गुजरात के सभी लोग छत पर ही होते हैं। पूरा दिन का मजा करते हैं। मैं भी कभी वहां रहता था, तो बड़ा शौक था, पर आज मैं आपके बीच में हूं।

उन्होंने कहा कि आज सूर्य धनु से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य धीरे-धीरे उत्तर की ओर स्थानांतरित होता है। हमारे यहां भारतीय परंपरा में इसे उत्तरायण कहा जाता है। खेती-बाड़ी के लिए तैयारियां शुरू हो जाती हैं और इसलिए ये दिन भारतीय परंपरा में इतना अहम माना गया है। उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम भिन्न-भिन्न सांस्कृतिक रंगों में इसे मनाया जाता है। मैं इस अवसर पर सभी देशवासियों को, मकर संक्रांति के साथ जुड़े अनेक विद् पर्वों की भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने आईएमडी के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर देश को प्रत्येक मौसम और जलवायु का सामना करने के लिए स्मार्ट राष्ट्र बनाने के मकसद से मिशन मौसम की शुरुआत की। राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारत मंडपम में आयोजित समारोह में शिरकत करते हुए प्रधानमंत्री ने आईएमडी के 150वें स्थापना दिवस पर एक स्मारक सिक्का और मौसम संबंधी अनुकूलता और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज भी जारी किया। इसमें मौसम पूर्वानुमान, मौसम प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन शमन की योजनाएं शामिल हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में आईएमडी की उपलब्धियों पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम भारतीय मौसम विभाग यानी आईएमडी के 150 वर्ष मना रहे हैं। ये केवल भारतीय मौसम विभाग की यात्रा नहीं है, ये हमारे भारत में आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी की भी यात्रा है।

मौसम विज्ञान किसी भी देश की आपदा प्रबंधन क्षमता का सबसे जरूरी सामर्थ्य

प्रधानमंत्री ने कहा, मौसम विज्ञान किसी भी देश की आपदा प्रबंधन क्षमता का सबसे जरूरी सामर्थ्य होता है। प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम से कम करने के लिए हमें मौसम विज्ञान की कार्यकुशलता को अधिकतम करने की आवश्यकता होती है। भारत ने लगातार इसकी अहमियत को समझा है। आज हम उन आपदाओं की दिशा को मोड़ने में कामयाब हो रहे हैं जिन्हें पहले नियति कहकर छोड़ दिया जाता था।

भारत ने न्यूक्लियर पावर के लिए उठाया बड़ा कदम, चीन-पाकिस्तान हैरान
एईसी की पीएम मोदी और अजीत डोभाल ने संभाली कमान

भारत सरकार ने हाल ही में परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) का पुनर्गठन किया है। इस आयोग में नई नियुक्तियों के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत की नीति और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। यह पुनर्गठन भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक सहयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एईसी का नया स्वरूप

पुनर्गठित परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष के रूप में परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव अजीत कुमार मोहंती ने पदभार संभाला है। इसके साथ ही, कई अन्य प्रमुख अधिकारियों को इस आयोग में जगह दी गई है। इसमें पदेन सदस्य के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव प्रमोद कुमार मिश्रा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री, व्यय सचिव टीवी सोमनाथन, वित्त सचिव मनोज गोविल शामिल किए गए हैं। अन्य सदस्य हैं एईसी के पूर्व अध्यक्ष एम आर श्रीनिवासन और अनिल काकोदकर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव पी. रामाराव, पूर्व प्रमुख सलाहकार (डीएई) रवि बी. ग्रोवर, अंतरिक्ष आयोग के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक विवेक भसीन

इस कदम से भारत और अमेरिका के बीच परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नए अवसर खुलने की संभावना है। यह साझेदारी न केवल दोनों देशों के आर्थिक और तकनीकी संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और हरित ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी सहायक होगी।

मकर संक्रांति पर शाह ने अहमदाबाद में पतंग उड़ाई

देश भर में आज मकर संक्रांति मनाई जा रही है। गुजरात के अहमदाबाद में भी काइट फेस्टिवल मनाया जा रहा है। महोत्सव में भाग लेने के लिए देश के 11 राज्यों से 52 और 47 देशों से 143 पतंगबाज पहुंचे हैं। अमित शाह ने अहमदाबाद में पतंग उड़ाई। वहीं, राजस्थान में भी पतंगबाजी का उत्सव मनाया जा रहा है। जयपुर के परकोटा स्थित गोविंद देवजी मंदिर में आज पतंगों की झांकी सजाई गई है। भक्त दर्शन के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

तमिलनाडु में पोंगल के मौके पर घरों में रंगोली सजाई गई। चेन्नई एयरपोर्ट में लाइटिंग की गई। वहीं बैलों की दौड़ जल्लीकट्?टू भी आज से शुरू हो गई। असम में लोग बिहू का त्योहार मना रहे हैं।

मकर संक्रांति सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उल्लास लेकर आए: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सूर्योपासन के पावन पर्व मकर संक्रांति की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रकृति पूजन का यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उल्लास लेकर आए, भगवान सूर्यदेव सभी को आरोग्यता और समृद्धि प्रदान करें, यही प्रार्थना है।

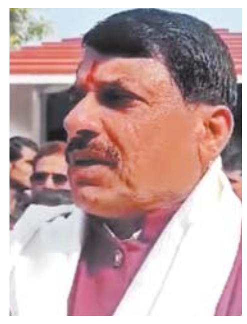

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मकर संक्रांति के साथ ही, माघ बिहू-भोगी-उत्तरायण और पोंगल पर्व की भी बधाई दी है। उन्होंने कहा कि लोक संस्कृति से जुड़े यह सभी शुभ पर्व भारत की अमूल्य सांस्कृतिक विविधता के प्रतीक हैं। ये त्यौहार समाज में खुशियों का संचार करें, बाबा महाकाल से सभी नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण की कामना है।

दिसंबर में थोक महंगाई बढ़कर 2.37 प्रतिशत पर आई

मुम्बई। दिसंबर महीने में थोक महंगाई बढ़कर 2.37 प्रतिशत पर आ गई है। इससे पहले नवंबर में थोक महंगाई 1.89 प्रतिशत पर थी। अक्टूबर महीने में यह 2.36 प्रतिशत पर थी। आलू, प्याज, अंडे, मांस-मछली और फलों की थोक में कीमतें बढ़ी हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से ये आंकड़े जारी किए गए हैं। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 5.49 प्रतिशत से बढ़कर 6.02 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.92 प्रतिशत से घटकर 8.89त्न हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -5.83 प्रतिशत से घटकर -3.79 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.00 प्रतिशत से बढ़कर 2.14 प्रतिशत रही। आलू की थोक महंगाई 82.79 प्रतिशत से बढ़कर 93.20 प्रतिशत पर रही। अंडे, मांस, मछली की होलसेल प्राइस इंडेक्स 3.16 प्रतिशत से बढ़कर 5.43 प्रतिशत पर रही। सब्जियों की थोक महंगाई 28.57 प्रतिशत से बढ़कर 28.65 प्रतिशत पर आई।

बर्फीली हवाओं से उत्तर भारत के राज्य ठिठुरे

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फीली हवाओं के कारण उत्तर भारत के राज्यों में तापमान लगातार गिर रहा है। इसके अलावा मौसम विभाग ने मंगलवार को 17 राज्यों में कोहरा और 9 राज्यों में बारिश होने का अनुमान भी जताया है।

हिमाचल में बर्फबारी के कारण कुकुमसेरी का इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान -12.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि ताबो में -10.9 डिग्री तापमान रहा। हरियाणा में भी सर्दी के कारण 2 लोगों की मौत हुई। पंजाब के अमृतसर में तापमान 1.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

यूपी में सुबह से 43 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। सहारनपुर में विजिबिलिटी जीरो तक पहुंच गई। ठंड के चलते गाजियाबाद में 8वीं क्लास तक के बच्चों की 18 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। कुछ जिलों में आज ओले गिरने का भी अलर्ट है।

मौसम विभाग ने कहा कि राजस्थान के भी 15 जिलों में आज ओले गिर सकते हैं। जोधपुर में सभी स्टूडेंट्स के लिए 14-15 जनवरी और सवाई माधोपुर के स्कूलों में 8वीं तक के बच्चों के लिए 16 जनवरी तक छुट्टी की गई है।

कश्मीर घाटी में कई दिनों बाद धूप

कश्मीर घाटी में शीतलहर का दौर जारी है। हालांकि, कई दिनों बाद सोमवार सुबह श्रीनगर में धूप निकली। इससे पहले रविवार को शहर का न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री की गिरावट के साथ -5.1 डिग्री पहुंच गया। पहलगाम का तापमान सबसे कम -8.4 डिग्री दर्ज किया गया।

डॉक्टरों ने 254 ड्रायवरों के दृष्टि दोष और नेत्र रोगों की जांच की

डी.सी.पी. ट्रैफिक संजय सिंह द्वारा सेवा सदन के नि:शुल्क शिविर का शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा राजधानी के व्यस्ततम लालघाटी चौराहे पर एक नि:शुल्क दृष्टि दोष और नेत्र रोग परीक्षण शिविर का शुभारंभ डी.सी.पी. ट्रैफिक संजय सिंह द्वारा किया गया। शिविर में 254 ट्रक एवं भारी वाहन चालकों की दृष्टि दोष और नेत्र रोगों की जांच की गई। ड्रायवरों के रक्तचाप और मधुमेह का भी परीक्षण किया गया। अंतर्राज्यीय परिवहन सेवा न्यूगो की बसों के ड्रायवरों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी आंखों की जांच करवाई। इस अवसर पर ए.सी.पी. विजय कुमार दुबे, सुबेदार मुनेन्द्र मिश्रा टी.आई. ट्रैफिक रामफल गौर और अजय मार्का, ए.एस.आई बच्चालाल के अलावा शैलेन्द्र सिरोठिया, न्यूगो के सौरभ जैन, सेवा सदन के ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी, वरिष्ठ प्रबंधक कुशल धर्मानी, समाज सेवी डॉ. मुरली भगतानी, वार्ड पार्षद जगदीश यादव, गांधी नगर के झूलेलाल मार्केट अध्यक्ष खूबचंद भागचंदानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष अशोक प्रेमानी विशेष रूप से उपस्थित थे। दृष्टि दोष और नेत्र रोग जांच में 11 ड्रायवरों को मोतियाबिंद, 4 को टेरिज़ियम रोग, 152 ड्रायवरों को दृष्टि दोष की शिकायत, 73 ड्रायवरों का असामान्य रक्तचाप और 54 को डायबिटिज़ की शिकायत पाई गई। इनमें से 35 कमजोर दृष्टि वाले ड्रायवरों को नि:शुल्क चश्में भी प्रदान किए गए जबकि नेत्र रोगों से पीड़ित 80 ड्रायवरों को ड्राप्स दिये गए। आंखों की गंभीर बीमारियों से पीड़ित 30 ड्रायवरों को सेवा सदन जाकर अपना विधिवत इलाज शुरू करने की सलाह दी गई। डी.सी.पी. ट्रैफिक संजय सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा मास 2025 में परवाह योजना के अंतर्गत पूर्व वर्षों के अनुसार ही इस वर्ष भी सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से यह शिविर लगाया गया है। व्यापक लोक सुरक्षा की दृष्टि से ड्रायवरों का सामयिक नेत्र परीक्षण आवश्यक है।

नशामुक्त, मांसाहारमुक्त, चरित्रवान चेतनावान समाज निर्माण के लिए किया 24 घंटे का अखंड दुर्गा चालीसा पाठ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मांसाहारमुक्त ,चरित्रवान चेतनावान समाज निर्माण हेतु परमहंस योगीराज शक्तिपुत्र जी महाराज द्वारा गठित भगवती मानव कल्याण संगठन के माध्यम से देशभर में 24 घंटे के व 5 घंटे के अखंड दुर्गा चालीसा पाठ के आयोजन किए जा रहे हैं इसी कड़ी में नव वर्ष एवं मकर संक्रांति के अवसर पर 24 घंटे के अखंड दुर्गा चालीसा पाठ का आयोजन 11-12 जनवरी को संजीवनी क्लिनिक ग्राउंड बी डी ए कॉलोनी अवधपुरी मे संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात भजन संध्या के साथ 4 से 5 हज़ार श्रद्धालुओं का विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। आयोजक अतुल कुमार अंजान एवं शैलेंद्र तिवारी में बताएं कि विगत 9 वर्षों से सर्वोदय सामाजिक संस्था द्वारा, भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा भोपाल के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न किया जा रहे हैं। संगठन अध्यक्ष परसराम पटेल जी ने बताया कि संगठन का उद्देश्य हर घर में मां की ज्योति जले ,हर घर नशामुक्त , मांसाहार मुक्त हो, प्रत्येक घर में संस्कारवान चेतनावान समाज निर्माण हेतु संगठन 28 वर्षों से कार्यरत है। आयोजन में मुख्य रूप से गोविंदपुरा विधानसभा के प्रभारी गणेशराम नागर, वार्ड क्रमांक 60 के पार्षद शक्ति राव, अवधपुरी मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र धोते, विधायक प्रतिनिधि आनंद पाठक, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र कौरब, व्यवसायिक प्रकोष्ठ जिला सह प्रभारी योगेश साहू, मंडल प्रतिनिधि नवीन गुर्जर, सोहन सिंह राजपूत, भगवान सिंह परमार,

संजय मिश्रा गोविंद सराठे, संजय झा, हरिप्रसाद तिवारी अशोक सिंह किशोरी लाल जाटव, गोपाल विश्वास, नीरज बनवारी मोहित चौरासिया राजेश जाट एवं समस्त कॉलोनी वासियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न किया गया।

बिट्टन मार्केट ग्राउंड पर पतंग उत्सव का कार्यक्रम

भोपाल। वंदे मातरम समिति मकर संक्रांति के अवसर पर आज विट्ठल मार्केट ग्राउंड पर पतंग उत्सव का कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष सुनील पांडे प्रयोग जोशी विकास वीरानी आलोक संजर और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और सभी समिति के वरिष्ठ अधिकारी भोपा सिद्धू तेलुगु लड्डू और आतंकवाद का राज खुशियों का त्यौहार मनाया गया

परमात्मा से जुड़ाव ही सच्ची भक्ति का आधार: निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा

संत हिरदाराम नगर। भोपाल जोन 24 ए के जोनल इंचार्ज महात्मा अशोक जुनेजा के मार्गदर्शन में भोपाल जोन की सभी ब्रांचों में भक्ति पर्व समागम सम्पन्न हुआ। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने हरियाणा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में आयोजित भक्ति पर्व समागम के अवसर पर विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति वह अवस्था है, जो जीवन को दिव्यता और आनंद से भर देती है। यह न इच्छाओं का सौदा है, न स्वार्थ का माध्यम। सच्ची भक्ति का अर्थ है परमात्मा से गहरा जुड़ाव और नि:स्वार्थ प्रेम। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन सान्निध्य में श्रद्धा और भक्ति की अनुपम छटा देखने को मिली। समागम के दौरान अनेक वक्ताओं, कवियों और गीतकारों ने विभिन्न विद्याओं के माध्यम से गुरु महिमा और भक्ति का भावपूर्ण वर्णन किया। संतों की प्रेरणादायक शिक्षाओं ने श्रद्धालुओं के जीवन को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समृद्ध किया। सतगुरु माता ने भक्ति की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रह्मज्ञान भक्ति का आधार है। यह जीवन को उत्सव बना देता है। भक्ति का वास्तविक स्वरूप दिखावे से परे और स्वार्थ व लालच से मुक्त होना चाहिए। जैसे दूध में नींबू डालने से वह फट जाता है, वैसे ही भक्ति में लालच और स्वार्थ हो तो वह अपनी पवित्रता खो देती है। निरंकारी मिशन का मूल सिद्धांत यही है कि भक्ति परमात्मा के तत्व को जानकर ही सार्थक रूप ले सकती है।

मकर संक्रांति के अवसर पर 51 किलो तिल गुड़ के लड्डू का वितरण

भोपाल। दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विगत कई वर्षों से पांच नंबर स्थित मकर संक्रांति का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी नंदू स्नानसे द्वारा आज 51 किलो के लड्डू और 51 किलो गुलाब जामुन का वितरण किया गया आज बड़े ही हर्ष का दिन है मकर संक्रांति के अवसर भारतीय जनता पार्टी के चार पदाधिकारी का जन्म दिवस भी आज संक्रांति के अवसर पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें महेश जोशी शंकर मकोरिया संतोष ब्रह्म भट्ट और नंदू सदन से द्वारा के काटकर मकर संक्रांति मनाई गई भगवान जल्दी आज मकर संक्रांति के अवसर पर क्षेत्र के विधायक भगवान दास सावधानी द्वारा क्षेत्र के सभी माता बहनों को तेलुगू से मुंह मीठा कराया और सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी।आज इस अवसर पर विशेष तौर पर मंडल के अध्यक्ष प्रियेश उपाध्याय राम नेता विजय लांजीवाल विनोद प्रजापति तुलसीराम रजक विजय खिलारे रानू अनीता चौहान चौहान और सुनीता सननसे मुख्य रूप से उपस्थित हुए

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल में छात्राओं का विदाई समारोह हुआ आयोजित

संत हिरदाराम नगर। चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल के सभागार में सत्र 2024-25 की कक्षा बारहवीं की छात्राओं के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ, सचिव घनश्याम बूलचंदानी, अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी, नवनिध विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी, केवलराम चेनराय पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सुमन विश्वकर्मा, विद्यालय की प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा, को-ऑर्डिनेटर लता आसनानी और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं की छात्राएँ उपस्थित रहीं। संस्था के अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी ने कहा कि विद्यालयीन जीवन हमारे स्वर्णिम भविष्य का एक पड़ाव है और इसकी खट्टी-मिट्ठी यादें हमारे जीवन में एक नई उमंग, उजास व प्रेरणा का संचार करती रहेंगी। सिद्ध भाऊ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे हमेशा अपने स्वभाव को विनम्र व कृतज्ञ बनाए रखें। क्योंकि विनम्र व्यवहार से सब कुछ पाया जा सकता है। अपने से बड़ों का सम्मान सर्वोपरि रखें और अपने उज्ज्वल भविष्य हेतु लक्ष्य का निर्धारण अत्यंत सोच विचार के साथ करें। घनश्याम बूलचंदानी ने छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि विद्यालयीन अनुभव जीवन की समस्याओं को हल करने में सहायक होते हैं।

सिंधी महिला पंचायत द्वारा सिंधी एकता दिवस धूमधाम से मनाया गया

संत हिरदाराम नगर। सिंधी महिला पंचायत द्वारा सिंधी एकता दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महिला पंचायत के सभी सदस्यों ने सिंधी साफे पहने और एकता का परिचय दिया। पंचायत की अध्यक्ष किरण वाधवानी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ और इष्टदेव भगवान झूलेलाल के चरणों में नमन करके माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित किया गया। किरण वाधवानी ने बताया कि हर सिंधी समाज के प्रोग्राम में युवाओं को आगे लाना चाहिए युवा आगे आयेगे तो उनको समाज के सभी रीति रिवाजों का ज्ञान होगा जो हमें उनको विरासत में देना चाहिए जो हमें बड़ों से मिला है। समाज के प्रोग्राम में उनको अपने प्रतिष्ठान को दो घंटे छोड़ना चाहिए और छोटे बच्चों को अपने खान पान की जानकारी देना चाहिए ताकि वो अपने खान पान की ओर आकर्षित हो और उन्हें सिंधी संतो, महात्माओं, गुरूओं, इष्टदेव आदि की जानकारी देना चाहिए तभी समाज सशक्त और सुदृढ़ और शक्तिशाली बनेगा। कार्यक्रम में सभी को इष्टदेव भगवान झूलेलाल की प्रतिमा भी वितरित की गई आरती अरदास पल्लव करके सिंधी प्रसाद चना और तहरी का वितरण भी हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन में सुरेश सोनपुरे सम्मानित

भोपाल। कालिदास अकादमी उज्जैन में सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन(सिल्वर जुबली महोत्सव)आयोजित किया गया।सूत्रधार / संयोजक डॉ महेंद्र यादव एवं अशोक भाटी,दिनेश दिग्गज,सुरेंद्र सर्किट,नरेंद्र सिंह अकेला,नमिता नमन,सौरभ चातक,मनोहर परमार,के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक,गायन वादन,अभिनय,अन्य प्रतिभा प्रस्तुतियों के अतिरिक्त कवि समागम ऐतिहासिक सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। विशेष ठहाका सम्मेलन(अनवरत 25 घंटे 25 मिनट,25 सेकंड) गोल्डन बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।अंतिम दिन समापन समारोह में डॉ मोहन यादव मुख्य मंत्री मध्य प्रदेश वर्चुअली अपने निवास से सीधे कार्यक्रम से जुड़े तथा विशेष अतिथियों वरिष्ठ कवि अशोक चक्रधर, अभिनेता तुषार कपूर, अंजुम रहबर,प्रताप फौजदार,हिमांशु बवंडर,मुन्ना बैट्री,से संवाद किया तथा डॉ महेन्द्र यादव को उज्जैन के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की , सार्थकता, सफलता हेतु बधाई दी।

कवि सम्मेलन में दुबई,आस्ट्रेलिया,कनाडा, न्यूजीलैंड के अतिरिक्त भारत के लगभग हर राज्य के लगभग 350 सौ प्रतिष्ठित कवि सम्मिलित हुए।राजधानी भोपाल से वरिष्ठ गीतकार दिनेश प्रभात,सुरेश सोनपुरे 卐अजनबी卐,अशोक व्यास, डॉ अशोक आजाद,अमन शुक्ला 卐शशांक卐आदि ने श्री अशोक 卐मधुप 卐वरिष्ठ साहित्यकार ,अभिनेता गाजियाबाद, डॉ कीर्ति काले लोकप्रिय गीतकार दिल्ली, वरिष्ठ हास्य कवि धूमचक मूलतानी,वरिष्ठ गीतकार दिनेश प्रभात, वरिष्ट गीतकार रमेश शर्मा चित्तौड़ , डॉ रमा सिंह,वरिष्ट व्यंग्यकार पिलकेंद्र अरोरा,आदि विशिष्ट अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में उत्कृष्ट,यादगार रचना पाठ किया।अंत में सभी रचनाकारों को स्मृति चिह्न एवं सम्मान पत्र दिया गया।चर्चित कवियित्री नमिता नमन देहली ने शानदार संचालन एवं उत्तम कार्य व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट प्रबन्धन कर महती भूमिका निभाई।

रेनबो चिल्ड्रंस हार्ट इंस्टीट्यूट ने दुनिया का पहला सफल फीटल एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी किया

भोपाल। मेडिकल के क्षेत्र में एक शानदार सफलता हासिल करते हुए, रेनबो चिल्ड्रेन्स हार्ट इंस्टीट्यूट, एक्सक्लूसिव पीडियाट्रिक हार्ट सेंटर में डॉक्टरों की एक मल्टी-डिस्प्लनरी टीम ने 27 सप्ताह के भ्रूण पर फीटल बैलून एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस मामले में महिला, जो कि एक गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस से पीड़ित थी, के भ्रूण को सही समय पर सटीक इंटरवेंशन से जीवित बचा लिया गया। इस उपलब्धि को अभूतपूर्व बनाने वाली बात यह है कि पंचर साइट को एक डिवाइस का उपयोग करके बंद किया गया था, एक नई और प्रमुख एप्रोच है, जिसे विश्व स्तर पर अपनी तरह का पहला माना जाता है।

एकता और खेल भावना का उत्सव: 28वां अखिल भारतीय पुलिस गोल्फ टूर्नामेंट

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय 28वां अखिल भारतीय पुलिस गोल्फ टूर्नामेंट 2024-2025, 10 और 11 जनवरी 2025 को अहमदाबाद के खूबसूरत कल्हार ब्लूज़ एंड ग्रीन्स गोल्फ क्लब में आयोजित किया गया। यह प्रतिष्ठित आयोजन भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रीय पुलिस इकाइयों के अधिकारियों को खेल भावना, फिटनेस और भाईचारे के जश्न के लिए एक साथ लेकर आया। केन्द्रीय बलों व राज्य पुलिस की 18 टीमों की भागीदारी ने इस टूर्नामेंट को खास बनाया। रोमांचक खेल, विशेष कार्यक्रम और शानदार मेजबानी के साथ यह आयोजन पुलिस बलों की प्रतिस्पर्धात्मकता और एकता का प्रतीक बन गया। इस टूर्नामेंट में पहला स्थान सीआरपीएफ, दूसरा स्थान आईटीबीपी, और तीसरा स्थान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हासिल किया। बीएसएफ के आईजी श्री हरिलाल ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, विशिष्ट अतिथि श्री हर्ष सांघवी (गृह मंत्री), और गुजरात पुलिस के महानिदेशक श्री सहाय ने अपनी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई। यह टूर्नामेंट पुलिस बलों की सामूहिक भावना और टीम वर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस साल 2 वर्ष की एक साथ होगी डीपीसी, 18 अधिकारी बनेंगे आईएएस

54 अफसरों के नामों पर होगा विचार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति के लिए पिछले साल होने वाली डीपीसी नहीं हो पाई। अब इस साल एक साथ दो वर्ष की डीपीसी की जाएगी। इस डीपीसी में राज्य प्रशासनिक सेवा के 18 अधिकारियों को आईएएस संवर्ग में पदोन्नत किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश में वर्ष 2024 में राज्य प्रशासनिक सेवा के आठ अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किया जाना था। लेकिन मध्यप्रदेश से संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजने में देरी होने के कारण संघ लोक सेवा आयोग इस डीपीसी के लिए समय पर तारीख तय नहीं कर पाया। इसके चलते साल निकल गया और डीपीसी नहीं हो पाई। इसके साथ ही वर्ष 2024 में आईएएस बनने का सपना संजोए बैठे अफसरों को निराशा हाथ लगी। इसलिए अब वर्ष 2024 और वर्ष 2025 के पदों के लिए एक साथ डीपीसी होगी। राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति के लिए सामान्य प्रशासन विभाग एक साथ डीपीसी का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। यह डीपीसी इस साल मई में होने की संभावना है। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति के लिए मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद पिछले साल दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में प्रस्ताव संघ लोक सेवा आयोग को भेजा था लेकिन प्रस्ताव भेजने में देरी होने के कारण संघ लोक सेवा आयोग से पदोन्नति समिति की बैठक करने के लिए समय नहीं मिल पाया। पिछले साल प्रस्ताव भेजने में विलंब हुआ। सामान्य तौर पर मई जून में प्रस्ताव भेज दिया जाता है तो सितंबर तक बैठक हो जाती है लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसलिए अब एक साथ दो वर्ष के पदों के लिए एक साथ डीपीसी होगी। वर्ष 2025 में दस पद मिलने की संभावना है। इस तरह दोनो वर्षो के लिए कुल अठारह पदों पर 54 अफसरों के नामों पर विचार किया जाएगा। इसके लिए इस माह पद स्वीकृति का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा जाएगा ताकि प्रक्रिया अप्रैल तक पूरी हो जाए और मई में बैठक की तिथि मांग ली जाए। इसके पहले मुख्यमंत्री से इस प्रस्ताव पर अनुमोदन भी कराया जाएगा। इसकी तैयारी सामान्य प्रशासन विभाग ने कर ली है। संभावना है कि मई जून में इन अठारह पदों के लिए पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालु क्षिप्रा जल से ही करेंगे पुण्य स्नान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन में 614.53 लाख रूपये की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का किया भूमि-पूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में विकास कारवां निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 के सिंहस्थ में श्रद्धालु क्षिप्रा जल से स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल के साथ उज्जैन में 614.53 लाख रूपये की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विश्व की पहली दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए साढ़े 12 हजार बीघा क्षेत्र में हरिद्वार की तरह विकास कार्य किये जायेंगे। सिंहस्थ-2028 साधु-संतों के लिये भी अविस्मरणीय होने वाला है, क्योंकि इस बार सरकार ने साधु-संतों और अखाड़ों को पक्के निर्माण के लिये भू-खण्ड देने का अभूतपूर्व निर्णय लिया है। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री पाटिल ने उज्जैन को मिल रही सौगातों के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएँ दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर बहनों को सुहाग की श्रंगार सामग्री एवं साड़ियां और बच्चों को पतंगें भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में वर्ष-1967 के सिंहस्थ के बाद श्रद्धालुओं को मोक्षदायनी माँ क्षिप्रा के पवित्र जल में स्नान करने का पुण्य लाभ मिलेगा। क्षिप्रा नदी में पानी की कमी के चलते 1980 के सिंहस्थ में गंभीर का पानी लाया गया। इसी प्रकार 1992 और 2004 के सिंहस्थ में भी गंभीर का पानी क्षिप्रा में प्रवाहित किया गया। वर्ष-2016 के सिंहस्थ में मां नर्मदा का पानी क्षिप्रा में लाया गया। कुछ साधु-संतों का ऐसा कहना था कि जब हमें नर्मदा में ही स्नान करना था, तो हम ओंकारेश्वर में ही स्नान कर सकते थे। मैंने उनकी भावना को समझा और संकल्प लिया कि वर्ष- 2028 के सिंहस्थ में क्षिप्रा नदी के जल में ही सबको स्नान कराया जाएगा। बाबा महाकाल के आशीर्वाद से सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी और कान्ह क्लोज डक्ट परियोजनाओं से यह संकल्प पूरा होने जा रहा है। यह उज्जैन के इतिहास में अविस्मरणीय दिन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी और कान्ह क्लोज डक्ट दोनों अद्भुत परियोजनाएं हैं। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत वर्षा ऋतु में क्षिप्रा नदी के जल को सिलारखेड़ी जलाशय में एकत्र कर पुनः आवश्यकता अनुसार क्षिप्रा नदी में प्रवाहित कर उसे निरन्तर प्रवहमान बनाया जाएगा। इस परियोजना में ग्राम सेवरखेड़ी में 1.45 मिलियन घन मीटर क्षमता का बैराज निर्माण कर, यहाँ से 3 मीटर व्यास की 6.50 कि.मी. लंबी पाइप लाईन द्वारा क्षिप्रा नदी का जल सिलारखेड़ी जलाशय में संचित किया जावेगा। इस हेतु सिलारखेड़ी जलाशय की क्षमता को 51 मिलियन घन मीटर तक बढ़ाया जावेगा। सिलारखेड़ी जलाशय में संचित जल 1.80 मीटर व्यास की 7.00 किलोमीटर लम्बी पाइप लाइन द्वारा पुनः क्षिप्रा नदी में ग्राम कुंवारिया के समीप आवश्यकता अनुसार छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कान्ह क्लोज डक्ट योजना का कार्य प्रगति पर है। इसके अंतर्गत कान्ह नदी को डायवर्ट कर 30 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन से, मार्ग में जल को स्वच्छ कर, उज्जैन शहर की सीमा से बाहर गंभीर नदी की डाउन स्ट्रीम में छोड़ा जाएगा। सितम्बर-2027 तक यह परियोजना पूर्ण होगी। यह पाइप लाइन जमीन में 100 फीट गहराई पर जाएगी। खेतों को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होगा और उनमें पूर्ववत खेती होती रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में माँ क्षिप्रा, बाबा महाकाल और सभी देवी-देवताओं का वास है। क्षिप्रा ग्राम उज्जैनी की पहाड़ी से निकलती है और उज्जैन की परिक्रमा करती है। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है यहां सबसे अधिक संख्या में नदियां हैं। मध्यप्रदेश अत्यंत पुण्य भूमि है यहां भगवान श्रीराम चित्रकूट में 11 वर्षों तक रहे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन में अध्ययन कर 24 कलाओं का ज्ञान प्राप्त किया। आदि गुरू शंकराचार्य ने यहां की भूमि पर दीक्षा प्राप्त की। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री पाटिल ने पानी बचाने के लिए अभियान चलाने और अधिक से अधिक वर्षा का जल धरती में संग्रहण के लिए बड़ी संख्या में भू-जल पुनर्भरण संरचनाएं बनाने के लिए कहा। भू-जल पुनर्भरण संरचनाएं बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा जिलों को राशि भी दी जाती है। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है, गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में रहना चाहिए। वर्षा जल को सहेजने के लिए जो भी उपाय होता हो उसे किया जाना चाहिए।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना से मोक्षदायिनी माँ क्षिप्रा में शुद्ध जल का सतत प्रवाह होगा।

अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में मध्यवर्गीय परिवारों को कंबल वितरण और मंदिर निर्माण की 11000 की राशि भेंट की

भोपाल। वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर राहुल जोगी ने अपने जन्म दिवस के उपलक्ष में मध्यमवर्गीय परिवारों को कंबल वितरण किया एवं मंदिर निर्माण को लेकर 11000 की नगद राशि भी मंदिर निर्माण के लिए दी जन्मदिन मनाया इस अवसर पर उनके साथ उनकी पत्नी श्रीमती रंजीता जोगी भी थी उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने जन्मदिन पर बड़ी-बड़ी होटल में खर्चा करते हैं अगर वह पैसे बचाकर इन गरीबों की मदद की जाए एवं उनके बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जाए तो हमारा जन्मदिन सार्थक रूप में होगा इस अवसर पर शेर सिंग जोगी रामबाबू तिवारी रामकिशन चौबे एस के द्विवेदी श्रीमती वंदना पांडे साजन विजय विजयवर्गीय सहित बड़ी संख्या में उनके साथीगण उपस्थित थे।

झाबुआ बना शतप्रतिशत स्मार्ट मीटर वाला दूसरा जिला

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी स्मार्ट मीटर परियोजना का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही हैं। कंपनी क्षेत्र का झाबुआ जिला मुख्यालय सोमवार को पूर्णतः स्मार्ट मीटर वाला शहर घोषित कर दिया गया। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों को बधाई दी हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की एमडी सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र का खरगोन शत प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाला प्रदेश का पहला शहर बना था, इसके बाद 13700 स्मार्ट मीटर लगाकर सोमवार को झाबुआ जिला मुख्यालय को स्मार्ट मीटरीकृत घोषित कर दिया गया। सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि झाबुआ शहर के स्थाई विद्युत संयोजन श्रेणी के सिंगल फेज, थ्री फेज के अलावा शहर के सभी 192 ट्रांसफार्मर्स पर अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। इससे एनर्जी ऑडिट में आसानी होगी और उपभोक्ता सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। साथ ही स्मार्ट मीटरीकृत उपभोक्ता अपने मीटर बिल रीडिंग की रीयल-टाइम जानकारी विद्युत कंपनी के ऊर्जस एप पर देख सकेंगे। सुश्री सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र में अब तक 9 लाख 60 हजार से ज्यादा स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, यह संख्या प्रदेश में सबसे अधिक हैं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही रतलाम शहर भी पूरी तरह स्मार्ट मीटरीकृत हो जाएगा, रतलाम में 93 प्रतिशत उपभोक्ता स्मार्ट मीटरीकृत हो चुके हैं।

सभी का सहयोग रहा

एमडी सुश्री सिंह ने बताया कि झाबुआ शहर को पूर्णतः स्मार्ट मीटरीकृत करने में प्रशासन, जनप्रतिनिधियों का भी सकारात्मक सहयोग रहा। वहीं पश्चिम क्षेत्र कंपनी स्मार्ट मीटर परियोजना निदेशक श्री रवि मिश्रा, अधीक्षण यंत्री स्मार्ट मीटर श्रीमती कीर्ति सिंह, झाबुआ के अधीक्षण यंत्री श्री डीएस चौहान, झाबुआ कार्यपालन यंत्री श्री महेंद्र पंवार ने टीम के साथ अत्यंत सराहनीय कार्य किया।

कुनबी समाज का निःशुल्क अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन मार्च में

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कुनबी समाज का निःशुल्क अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 9 मार्च रविवार को आयोजित किया जा रहा है। अखिल भारतीय लोणारी कुनबी समाज म.प्र. के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु राने ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय युवक युवती परिचय सम्मेलन तथा महिलाओं का हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम चपाती केन्द्र के पास मैदान, ई-सेक्टर, बरखेड़ा भेल भोपाल में आयोजित होगा। सम्मेलन में 18 राज्यों एवं विदेशों में बसे युवक युवती प्रत्याशी एवं अभिभावक तथा समाज बंधु भाग लेंगे। सम्मेलन में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जाँच शिविर में विशेषज्ञो के द्वारा परामर्श, बोन डेन सिटी टेस्ट, शुगर टेस्ट, ईसीजी, बीपी के साथ निःशुल्क दवाई वितरण तथा बेटी बचाओं एवं भ्रुण हत्या पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज बंधुओं को संदेश देने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में कुलदेवी का छायाचित्र तथा राम दरबार भी वितरित किया जाएगा। बायोडाटे की पुस्तिका का भी प्रकाशन किया जायेगा एवं संगठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी संगठन के पदाधिकारी एवं सभी सदस्यों का सम्मान किया जाएगा।

कलेक्टर बने निक्षय मित्र, 5 टीबी मरीजों की पोषण सहायता का उठाया जिम्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत भोपाल के कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कर 5 टीबी मरीजों को गोद लिया है। उन्होंने इन मरीजों को 6 माह की उपचार अवधि के दौरान हर महीने पोषण आहार प्रदान करने की जिम्मेदारी ली है। इस अवसर पर टीएल बैठक में उन्होंने अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए सांकेतिक रूप से एक मरीज को फूड बास्केट भी प्रदान किया।

नागरिक बन सकते हैं निक्षय मित्र: निक्षय मित्र% बनने की प्रक्रिया सरल है। इच्छुक नागरिक communitysupport.nikshay.in पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। इसके अलावा, भोपाल के विभिन्न सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों जैसे एम्स, जयप्रकाश जिला चिकित्सालय, टीबी अस्पताल और अन्य स्थानों पर भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

फूड बास्केट में क्या मिलता है: टीबी मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त फूड बास्केट प्रदान की जाती है, जिसमें 3 किलो आटा, 3 किलो तुअर दाल, 1 लीटर मूंगफली तेल, 1 किलो गुड़, मूंगफली चिक्की, और 1 किलो रोस्टेड चना शामिल हैं। सामाजिक संस्थाओं और जनसहयोग से यह फूड बास्केट समय-समय पर प्रदान की जा रही हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री के आह्वान पर हर सक्षम नागरिक को इस अभियान में जुड़ना चाहिए। भोपाल जिले में टीबी उन्मूलन के लिए सभी स्तरों पर प्रयास हो रहे हैं। सभी विभागीय अधिकारी और कर्मचारी स्वेच्छा से इस जनभागीदारी अभियान में शामिल हों।

2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य: मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाना प्रधानमंत्री का लक्ष्य है। इसके तहत नए मरीजों की पहचान, पूर्ण उपचार, और सपोर्ट सिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल 2030 के तहत टीबी से होने वाली मौतों को 90त्न और नए मामलों को 80 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य है।

टीबी मरीजों को आर्थिक सहायता: सरकार मरीजों को उपचार अवधि के दौरान हर महीने 1000 की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खातों में प्रदान कर रही है। इस अभियान में जन्मदिन, सालगिरह, या अन्य विशेष दिनों को यादगार बनाने के लिए लोग टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण आहार प्रदान कर सकते हैं। निक्षय मित्र बनें और टीबी मुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

शिव बर्फानी सेवा समिति मकर संक्राति पर जल, पान का वितरण कर मनाएगी पतंग उत्सव

भोपाल। शिव बर्फानी सेवा समिति भोपाल द्वारा मकर संक्राति के अवसर पर 14 जनवरी को जल पान एवं फलाहार, फल और पंतग उत्सव का आयोजन किया जाएगा। 11 मील भोजपुर पहुंच मार्ग ग्राम छान के पास मुख्य सड़क पर पाण्डल लगाकर भोजपुर मंदिर पहुंच रहे श्रद्धालुओ को समिति की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। समय सुबह 10 बजे से शाम के 5 बजे तक किया जायेगा। समिति अध्यक्ष सज्जन सिंह परमार द्वारा जानकारी दी गई।

मकर संक्रांति सम्पूर्ण मानवता के उल्लास का पर्व है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया संक्रान्ति का अर्थ है, %सूर्य का एक राशि से अलगी राशि में संक्रमण (जाना)%। एक संक्रांति से दूसरी संक्रांति के बीच का समय ही सौर मास है। पूरे वर्ष में कुल 12 संक्रान्तियां होती हैं। लेकिन इनमें से चार संक्रांति मेष, कर्क, तुला और मकर संक्रांति महत्वपूर्ण हैं। पौष मास में सूर्य का धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश मकर संक्रान्ति रूप में जाना जाता है। सामान्यत- भारतीय पंचांग पद्धति की समस्त तिथियां चन्द्रमा की गति को आधार मानकर निर्धारित की जाती हैं, किन्तु मकर संक्रान्ति को सूर्य की गति से निर्धारित किया जाता है, मकर संक्रान्ति हिन्दुओं का प्रमुख पर्व है और इसे सम्पूर्ण भारत और नेपाल के सभी प्रान्तों में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारत में इस पर्व को %मकर सक्रान्ति, पंजाब में लोहडी, गढ़वाल में खिचडी संक्रान्ति, गुजरात में उत्तरायण, तमिलनाडु में पोंगल, जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति कहते हैं। योग गुरु महेश अग्रवाल ने कहा कि मकर संक्रांति का ज्योतिषीय और वैज्ञानिक महत्व है सामान्यतः सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छ्-छ् माह के अन्तराल पर होती है।

टीवी कलाकार ऐश्वर्या खरे सहित 44 कायस्थ प्रतिभाओं का कायस्थम 2025 में होगा सम्मान

कायस्थम 17 जनवरी को आयोजित करेगा सांस्कृतिक और प्रतिभा सम्मान समारोह

भोपाल। कायस्थम भोपाल द्वारा आगामी शुक्रवार 17 जनवरी को शाम 5 बजे रविंद्र भवन में आयोजित किए जा रहे कायस्थम- 2025 के आयोजन में 13 विभिन्न कैटेगरी की 45 कायस्थ प्रतिभाएं सम्मानित होंगी। कायस्थम संस्था के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव के अनुसार प्रसिद्ध टीवी कलाकार ऐश्वर्या खरे को कायस्थ गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा। ऐश्वर्या खरे कलर और जी टीवी के प्रसिद्ध पारिवारिक सीरियल नागिन - 5,ये है चाहतें,साम दाम दंड भेद,विषकन्या लीड रोल कर चुकी हैं। वर्तमान में वे जी टीवी के एकता कपूर के सीरियल भाग्य लक्ष्मी में लक्ष्मी का मुख्य किरदार निभा रही हैं।

प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि जिन 13 कैटेगरी में कायस्थ प्रतिभाओं को कायस्थ - सम्मान से सम्मानित किया जाएगा , उनमें हमारे बुजुर्ग, प्रशासन, शौर्य/पराक्रम, चिकित्सा, पत्रकारिता, उद्योग व व्यवसाय,शिक्षा, कला एवं संस्कृति, साहित्य, समाज सेवा, विधि सेवा, विज्ञान और खेल शामिल है । इन कैटेगरी में जिन प्रतिभाओं का सम्मान होगा, उनमें हमारे बुजुर्ग श्रेणी में 95 वर्षीय पूर्व आयुक्त नगर निगम भोपाल देवीसरन, वन विभाग के पूर्व अधिकारी, लेखक 92 वर्षीय घनश्याम सक्सेना, प्रशासन श्रेणी में अजातशत्रु श्रीवास्तव सेवानिवृत आईएएस, प्रदीप खरे सेवानिवृत आईएएस ओम प्रकाश श्रीवास्तव आईएएस, सचिव गृह विभाग, दीपक सक्सेना आईएएस, कलेक्टर जबलपुर, अभा सूचना सेवा से सेवानिवृत अनिल सक्सेना, सुभूमि श्रीवास्तव असिस्टेंट कमिश्नर इनकम टैक्स, पराक्रम/शौर्य श्रेणी में सेना से सेवानिवृत रियल एडमिरल प्रकाश लाल, सेना से सेवानिवृत कर्नल डॉ. गिरजेश सक्सेना, प्रशांत खरे आईपीएस, उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नर्मदापुरम संभाग,दीपक अस्थाना असिस्टेंट कमांडेंट सीआईएसफ भेल भोपाल, चिकित्सा श्रेणी में गांधी मेडिकल कालेज के पूर्व डीन अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. निर्भय श्रीवास्तव ,

डॉ. विजया ब्यौहार शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. एस.के. सक्सेना सेवानिवृत सिविल सर्जन,पत्रकारिता श्रेणी में सर्वकैलाश गौड़ वरिष्ठ पत्रकार, सुधीर सक्सेना वरिष्ठ पत्रकार , राजेश चंचल वरिष्ठ पत्रकार, अनुज खरे वरिष्ठ पत्रकार नई दिल्ली, उद्योग/ व्यवसाय श्रेणी में विशाल ज़ौहरी संचालक वरेण्यम मोटर्स, शिक्षा श्रेणी में प्रोफेसर डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव पूर्व कुलपति, प्रोफेसर डॉ. एस. के. कुलश्रेष्ठ शिक्षाविद, पूर्व प्राचार्य, डॉ. उषा खरे पूर्व प्राचार्य, उमावि जहांगीराबाद भोपाल, अभिषेक खरे, करियर काउंसलर एवं लेखक, मेधावी विद्यार्थी श्रेणी में पीएससी टॉपर

रजत श्रीवास्तव , कला एवं संस्कृति श्रेणी में डॉ. सुषमा श्रीवास्तव चित्रकार, डॉ. मोहिका सक्सेना डेंटिस्ट एवं नृत्यांगना,श्रीमती शैली लाल चित्रकार एवं संगीत विशारद,डॉ.श्रुति जौहरी संगीतज्ञ, अर्चना खरे बुंदेली गायिका एवं संगीतज्ञ, सुगार्गी श्रीवास्तव नृत्यांगना,दिनेश मोवार सक्सेना फोटोग्राफर,साहित्य श्रेणी में सुनीता भटनागर, संतोष श्रीवास्तव, ऊषा सक्सेना, समाज सेवा श्रेणी में स्व.वीरेंद्र श्रीवास्तव (मरणोपरांत), किरण कुमार खरे दमोह, वकालत/ विधि सेवा श्रेणी में बी.पी. श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता, उमेश निगम वरिष्ठ अधिवक्ता, विज्ञान श्रेणी में डॉ. राजेश सक्सेना वैज्ञानिक, डॉ. योगेन्द्र सक्सेना वैज्ञानिक एवं खेल श्रेणी में मास्टर भव्य कुमार सक्सेना जिम्नास्टिक, श्रीमती रागिनी श्रीवास्तव तैराक और प्रखर श्रीवास्तव बैडमिंटन खिलाड़ी शामिल है।

स म्पा द की य

सीमा पर बाड़... नया विवाद

सीमा पर बाड़ लगाने का मुद्दा अब विवाद का विषय बनता जा रहा है। इस मसले को बांग्लादेश ने जिस तरह भारत के साथ दोस्ताना रिश्तों से जोड़ा है, उससे साफ है कि मामला सिर्फ उतना ही नहीं है, जितना दिख रहा है। या जिस तरह से इसे मुद्दा बनाया जा रहा है। बात यह नहीं कि बाड़ लगाने से दोनों पक्षों में तनाव और अविश्वास बढ़ रहा है, सही बात यह है कि रिश्तों में अविश्वास बढ़ने की वजह से बाड़बंदी को मुद्दा बनाया जा रहा है।

असल में रविवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग किए जाने के विवाद को लेकर भारत ने सोमवार को बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब किया। भारत ने नूरूल इस्लाम से कहा कि सीमा पर फेंसिंग प्रोटोकॉल के तहत हो रहा है और इसमें दोनों देशों के बीच हुए समझौते का

पालन किया गया है।

इससे पहले रविवार को बांग्लादेश ने भारतीय हाईकमिश्नर को समन किया था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय हाईकमिश्नर प्रणय वर्मा को बुलाकर बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल यानि बीएसएफ की तरफ से की जा रही फेंसिंग (बाड़) को अवैध कोशिश बताया था।

भारत का कहना है कि सीमा सरहद पर किए जा रहे सुरक्षा उपायों में तकनीकी डिवाइस लगाना, बॉर्डर पर लाइटिंग, मवेशियों को रोकने के लिए कटीले तार लगाना शामिल हैं। भारत सरकार ने इस दौरान सीमा पार से हो रही तस्करी का भी मुद्दा उठाया। देखा जाए तो बांग्लादेश के रुख में अचानक आए इस बदलाव की जड़ में है वहां हुआ सत्ता परिवर्तन। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भागकर भारत आने के बाद से वहां बनी सरकार पुराने तय हो चुके मसलों पर भी सवाल उठा रही है। बाड़बंदी को लेकर दोनों पक्षों में हुए समझौतों पर सवाल उठाना भी इसी का एक उदाहरण है।

शेख हसीना को लेकर बंग्लादेश की सरकार लगातार भारत पर दबाव बना रही है। वह हसीना का प्रत्यर्पण चाहती है। और माना जा रहा है कि शेख हसीना मुकदमा चलाकर फांसी तक की सजा दी जा सकती है। जबकि भारत इसे टालना चाह रहा है। यही कारण है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा के मामले भी बढ़ रहे हैं। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर भी उसका यही राग बरकरार है कि वे घटनाएं बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही हैं। हालांकि जब इन घटनाओं को छुपाना या उनका खंडन करना संभव नहीं रह गया तो अब नई व्याख्या यह दी गई है कि उन घटनाओं का स्वरूप सांप्रदायिक नहीं, राजनीतिक है।

खासकर बांग्लादेश की नई सरकार ने पाकिस्तान के साथ करीबी दिखाते हुए पाकिस्तानियों को वहां आसानी से प्रवेश देने की जो नीति अपनाई है उससे यह आशंका बढ़ गई है कि आतंकी तत्व बांग्लादेश के रास्ते भारत आ सकते हैं। स्पष्ट है, भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकता। बांग्लादेश को समझना होगा कि दोस्ताना रिश्तों का भविष्य बातचीत के जरिए आपसी समझदारी बढ़ाने में है, अलग-अलग मुद्दों पर तनाव बढ़ाने में नहीं।

समस्या केवल बांग्लादेश की अंदरूनी नहीं है, मामला बहुत आगे बढ़ चुका है। एक तरफ तो चीन बांग्लादेश को लगातार भारत के खिलाफ भड़का रहा है। वह भारत को तीनों तरफ से घेरने की रणनीति पर काम कर रहा है। पहले उसने श्रीलंका पर भी दांव खेला था, लेकिन श्रीलंका में बनी नई सरकार ने उसका पिट्ठू बनने से एक तरह से इंकार कर दिया है। वह भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने के पक्ष में है।

पाकिस्तान पहले से चीन के प्रभाव में है। देखा जाए तो पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियां भी चीन की शह पर हो रही हैं। पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़ते विवादों को चीन लगातार हवा देता रहा है। अब वह बांग्लादेश पर भी नजर लगाए हुए है। बांग्लादेश में जो राजनीतिक उठापटक हुई है, उसमें भी चीन की प्रमुख भूमिका मानी जा रही है। शेख हसीना भारत से बेहतर संबंध बनाने की हमशा पक्षधर रहीं, यही कारण है कि भारत ने उन्हें शरण दी हुई है। लेकिन यह न तो चीन को कबूल है और न ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इसे सहन कर पा रही है।

अब देखना होगा कि सीमा पर बाड़ विवाद यहीं पर खत्म होता है या फिर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इसे और आगे ले जाती है। इस विवाद का हल तो निकालना ही होगा। किसी भी स्थिति में यह विवाद दोनों देशों के लिए ठीक नहीं। बांग्लादेश के लिए तो यह ज्यादा नुकसानदेह साबित होगा। यह बात और है कि वहां की अंतरिम सरकार समझते हुए भी विवाद बढ़ाने पर तुली हुई है।

कानून और न्याय: पुरुषों के भी घरेलू हिंसा के शिकार होने की आशंका!

- विनय झैलावत

हम अक्सर महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा के बारे में सुनते हैं, जिसमें पुरूषों को नुकसान पहुंचाने वाले के रूप में देखा जाता है। लेकिन, आजकल चीजें तेजी से बदल रही है। पुरुष भी घरेलू हिंसा के शिकार हो सकते हैं। उन्हें मौखिक, शारीरिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक या यौन शोषण का अनुभव हो सकता है। दुर्भाग्य से, कई पुरूष इसके बारे में बात नहीं करते हैं और वे चुपचाप सहते रहते हैं। कानून आम तौर पर पीड़ित महिलाओं की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे इन पुरूषों को उस समर्थन के बिना छोड़ दिया जाता है जिसकी उन्हें आवश्यकता होती है।

हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पुरूषों को दुर्व्यवहार से बचाने के लिए सुसज्जित नहीं है। यह एक लैंगिक कानून है जो पुरूषों को केवल दुर्व्यवहार करने वाले के रूप में देखता है, पीड़ितों के रूप में नहीं। जैसे-जैसे पुरूषों के खिलाफ अन्यायपूर्ण हिंसा के अधिक मामले सामने आ रहे हैं, लोगों ने पुरूषों के अधिकारों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय पुरूष आयोग की मांग करना शुरू कर दिया है। इसके पीछे जो कारण बताए जा रहे हैं, उनमें पुरूषों के लिए अपने कानूनी और सामाजिक बोझ से राहत पाने और न्याय पाने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाना। दुर्व्यवहार के शिकार पुरूष और जिनके खिलाफ दहेज के झूठे मामले दर्ज किए गए हैं, उनका समर्थन करना और मामलों का प्रतिनिधित्व करना।

पुरूषों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए क्योंकि भरण-पोषण के कभी न खत्म होने वाले वित्तीय बोझ के कारण कई पुरूष पीड़ित आत्महत्या कर रहे हैं। लैंगिक समानता पाने के लिए, पुरूषों और महिलाओं दोनों के पास ऐसी संस्थाएं होनी चाहिए जिनसे वे लैंगिक हिंसा और अपराधों की स्थितियों में संपर्क कर सकें। यह भी महसूस किया जा रहा है कि यदि आधी आबादी की मदद के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग है, तो यह उचित है कि पुरूषों को भी अपना राष्ट्रीय आयोग मिले। यह पुरूषों को एक आधिकारिक इकाई का समर्थन प्रदान करेगा जो उन्हें यौन उत्पीड़न, घरेलू दुर्व्यवहार या झूठे कानूनी आरोपों के मामलों में अपने अधिकारों के लिए लड़ने में मदद करेगा, मुख्य है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2020 की आत्महत्या रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में बड़ी संख्या में आत्महत्याएं पारिवारिक समस्याओं से जुड़ी हैं, जो पुरूषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करती हैं। व्यापक आंकड़ों की कमी के बावजूद, यह स्पष्ट है कि पुरूष भी घरेलू हिंसा के शिकार हैं और उनकी आत्महत्या दर बढ़ रही है। इसकी तुलना में, यदि लिंग भूमिकाएं उलट दी गईं, तो प्रतिक्रिया भिन्न हो सकती है। उदाहरण के लिए, जहां विवाहित पुरूषों के लिए आत्महत्या की संख्या 64,791 है, वहीं महिलाओं के लिए यह 27,742 है। ये आंकड़े बताते हैं कि पुरूषों के खिलाफ घरेलू हिंसा एक गंभीर मुद्दा है। इसे अक्सर कम रिपोर्ट किया जाता है। हिंसा के मामलों को उचित और निष्पक्ष तरीके से निपटाने के लिए सख्त कानूनों की स्पष्ट आवश्यकता है।

दहेज विरोधी और भरण-पोषण प्रावधानों के दुरुपयोग के कारण भारत में हजारों परिवार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए हैं। वृद्ध माता-पिता जेल में समय बिता रहे हैं। न्याय का कोई नामोनिशान नहीं है। यह कानून इतना सख्त है कि कोई भी विवाहित महिला इसका दुरूपयोग कर अपने पति को परेशान कर सकती है और यहां तक कि उसे आत्महत्या के लिए भी मजबूर कर सकती है। इस मामले पर अदालतें अक्सर अपनी राय देती रही है। अतुल की मौत से हमें सबक लेना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कानून में संशोधन किया जाना चाहिए कि कोई भी इसके प्रावधान का दुरुपयोग नहीं कर सके और दहेज विरोधी कानून प्रावधानों पर पुनर्विचार करने का अब समय आ गया है।

पुरूषों के खिलाफ घरेलू हिंसा को कानून द्वारा मान्यता नहीं दी गई है। इससे महिलाएं परिणामों से बच सकती हैं। पुरूषों को घरेलू हिंसा से बचाने और मौजूदा कानूनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए कानूनों की आवश्यकता है। जबकि महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी सुरक्षा करने के उद्देश्य से बनाए गए कानून महत्वपूर्ण है। पुरुषों की सुरक्षा और अधिकारों को भी सुनिश्चित करने के लिए इन कानूनों को संतुलित करना भी उतना ही आवश्यक है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बनाए गए कानूनों को दुरुपयोग को रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए और समाज को लिंग की परवाह किए बिना सभी व्यक्तियों के लिए निष्पक्षता और न्याय के सिद्धांत पर काम करने का प्रयास करना चाहिए।

पुरुषों के खिलाफ घरेलू हिंसा के मुद्दे को पहचान कर और उसका समाधान करके, हम एक अधिक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज बना सकते हैं जहां सभी व्यक्तियों के अधिकारों और सुरक्षा का सम्मान और सुरक्षा की जाएगी। समाज के लिए पुरूषों के खिलाफ घरेलू हिंसा को पहचानना और उसका समाधान करना महत्वपूर्ण है। इसमें लिंग की परवाह किए बिना सभी पीड़ितों की मदद के लिए कानून और सहायता प्रणाली बनाना शामिल है। जागरूकता बढ़ाकर और रूढ़िवादिता को चुनौती देकर, हम सभी के लिए एक सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत समाज की दिषा में काम कर सकते हैं।

हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पुरूषों को दुर्व्यवहार से बचाने के लिए सुसज्जित नहीं है। यह एक लैंगिक कानून है जो पुरूषों को केवल दुर्व्यवहार करने वाले के रूप में देखता है, पीड़ितों के रूप में नहीं। जैसे-जैसे पुरूषों के खिलाफ अन्यायपूर्ण हिंसा के अधिक मामले सामने आ रहे हैं, लोगों ने पुरूषों के अधिकारों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय पुरूष आयोग की मांग करना शुरू कर दी है। आयोग की स्थापना के मुख्य कारण। पुरूषों के लिए अपने कानूनी और सामाजिक बोझ से राहत पाने और न्याय पाने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाना। दुर्व्यवहार के शिकार पुरुष और जिनके खिलाफ दहेज के झूठे मामले दर्ज किए गए हैं, उनका समर्थन करना और मामलों का प्रतिनिधित्व करना। पुरूषों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए क्योंकि भरण-पोषण के कभी न खत्म होने वाले वित्तीय बोझ के कारण कई पुरूष पीड़ित आत्महत्या कर रहे हैं।

लैंगिक समानता पाने के लिए, पुरूषों और महिलाओं दोनों के पास ऐसी संस्थाएं होनी चाहिए जिनसे वे लैंगिक हिंसा और अपराधों की स्थितियों में संपर्क कर सकें। यदि आधी आबादी की मदद के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग है, तो यह उचित है कि पुरूषों को भी अपना राष्ट्रीय आयोग मिले। यह पुरूषों को एक आधिकारिक इकाई का समर्थन प्रदान करेगा जो उन्हें यौन उत्पीड़न, घरेलू दुर्व्यवहार या झूठे कानूनी आरोपों के मामलों में अपने अधिकारों के लिए लड़ने में मदद करेगा। कार्यस्थल पर उत्पीड़न या जीवनसाथी द्वारा उत्पीड़न कोई लैंगिक मुद्दा नहीं है। यह मानवाधिकार का मुद्दा है। कानून के तहत पुरूष भी महिलाओं के समान ही सुरक्षा के पात्र है जब तक भारत लिंग-तटस्थ कानूनों को लागू नहीं करता, पुरूष पीड़ित चुपचाप पीड़ा सहते रहेंगे, जिससे अन्याय का चक्र कायम रहेगा।

पारिवारिक अदालतों में प्रणालीगत सुधार की जरूरत है। खासकर जब बच्चे तक पहुंच, माता-पिता के अलगाव और लंबी देरी के मुद्दों की बात आती है। हमें मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। 'पुराने न्यायाधीश आत्महत्या और उत्पीड़न जैसी चीजों के प्रति कम संवेदनषील होत हैं। पुरूष आत्महत्या, अवसाद और बच्चे से अलगाव को अक्सर उनके द्वारा महत्वहीन बना दिया जाता है।' यह देखा गया है कि वैवाहिक विवादों में प्रतिकूल पहलू जोड़ते हैं। दूसरा पहलू गुजारा भत्ता का है। कानून में इसकी कोई ऊपरी सीमा परिभाषित नहीं है। भुगतान के मामले में भी पुरुषों के प्रति संवेदनशीलता की कमी है। यदि कोई अपनी नौकरी खो देता है या कम वेतनमान वाली नौकरी बदलना चाहता है तो क्या होगा ? फिर उनका दावा है कि यह एक जानबूझकर उठाया गया कदम था। वे यह नहीं देखते कि आईटी या टेक या किसी भी क्षेत्र में लोग बहुत आसानी से अपनी नौकरियां खो देते हैं।

पुरूषों के खिलाफ घरेलू हिंसा पर आधिकारिक डेटा दुर्लभ है। लेकिन गैर सरकारी संगठनों द्वारा किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। राष्ट्रीय अंतरंग साथी और यौन हिंसा सर्वेक्षण जैसे अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि पुरूष उत्पीड़न एक गंभीर मुद्दा है। यह पहचाना महत्वपूर्ण है कि घरेलू हिंसा केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है।

पुरूष भी इसके शिकार हो सकते हैं। इसलिए, जब महिलाएं पुरूषों पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाती हैं, तो न्याय सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से जांच की जानी चाहिए और निर्दोष पुरूषों को उन अपराधों के लिए गलत तरीके से दंडित नहीं किया जाना चाहिए जो उन्होंने नहीं किए हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू हिंसा से पीड़ित पतियों को अपनी अपमानजनक पत्नियों के खिलाफ तलका के लिए दायर करने का अधिकार होना चाहिए, जैसे महिलाओं को समान स्थितियें में कानूनी सहारा लेने का अधिकार है।

गलत सूचना फैलाने को खुला निमंत्रण

राकेश दुबे

संयुक्त राज्य अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से पहले की जा रही उग्र बयानबाजी से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे कनाडा को अमेरिका में मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान, शेष दुनिया के लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रंप के निरंकुश व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं।

लंबे समय तक ट्रंप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जांच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना की विश्वसनीयता के लिये निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूठ व दुष्प्रचार के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका लगेगा।

निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले आया है। ट्रंप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप आरोप लगाते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी आवाज को सेंसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस निर्णय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अभिव्यक्ति को प्रश्रय देना है। उनकी इस दलील से कतई सहमत नहीं हुआ जा सकता। अमेरिका में तो दक्षिणपंथी रुझानों वाला ऐसा वर्ग भी है जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जन्म मिल सकता है।

आशंका है कि तथ्यों की जांच की व्यवस्था समाप्त करने से झूठ और अफवाहों का तंत्र कालांतर कानून व्यवस्था के लिये भी बड़ी चुनौती बन सकता है। जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की सूचनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। मेटा के इस कदम के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म भी दबाव में ऐसे कदम उठा सकते हैं।

राष्ट्रपति का पद संभालने जा रहे ट्रंप से खराब रिश्ते सुधारने हेतु मार्क जुकरबर्ग का कदम व्यावसायिक दृष्टि से तो समझ में आ सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं की दृष्टि से यह एक गैरजिम्मेदार कदम है। जो दुनिया में विश्वसनीयता व सूचना अखंडता के लिये अच्छा संकेत नहीं है। विडंबना ही है कि सूचना सामग्री को मॉडरेट करने के लिये पेशेवर तथ्य-जांचकर्ताओं पर भरोसा करने के बजाय मेटा एक्स के रास्ते पर जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

पहले जांच-पड़ताल करके दी जाने वाली पोस्ट पाठकों व दर्शकों का भरोसा जगाती थी कि सूचना सामग्री विश्वसनीय है, लेकिन अब इस नियमन में ढील के निहितार्थों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। आशंका है कि अब फेसबुक, इंस्टाग्राम व थ्रेड्स पर गलत सूचनाओं को नियंत्रित करना संभव नहीं हो पाएगा। जिससे ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा मिल सकता है। खासकर भारत के संदर्भ में देखें तो नफरत फैलाने वाले भाषण न केवल लोगों तक विश्वसनीय जानकारी की पहुंच को कमजोर कर सकते हैं बल्कि लोगों की राजनीतिक नेताओं का सामना करने की क्षमता को भी कमजोर कर सकते हैं। हम विगत में देखते रहे हैं कि 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' की धारणा लगातार गलत तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करती रही है। इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को खुली छूट देने के नुकसान को ही दर्शाती है। यदि झूठ की जहरीली बाढ़ को कम नहीं किया गया तो इसका समाज पर घातक असर पड़ सकता है। ऐसे में सामाजिक समरसता व शांति के लिये अधिक तथ्य जांचकर्ताओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है। निश्चय ही जांच की व्यवस्था न होने का मतलब है शून्य जवाबदेही और झूठ व गलत सूचना फैलाने का खुला निमंत्रण।

ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

उमेश चतुर्वेदी

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है।

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंस्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं।

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है।

यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस-लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं।

हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है।

हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। भाषाओं को जिंदा रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है। नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाए रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है। भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं। मरती हुई भाषाओं के लिए व्यक्तिगत की बजाय सामूहिक कोशिशें होनी चाहिए।

भाषाएं क्यों जरूरी हैं, इसे हमें अमेरिकी नारी वादी रीटा मे ब्राउन के शब्दों में समझ सकते हैं। रीटा कहती हैं, भाषा किसी भी संस्कृति का रोडमैप होती है। वह आपको बताती है कि इसे बोलने वाले लोग कहां से आते हैं और कहां जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने पुजारियों को वितरित किये कंबल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने लक्ष्मणबाग गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में पुजारियों एवं कर्मचारियों को ठण्ड से बचाव के लिये कंबल का वितरण किया। उप मुख्यमंत्री ने लक्ष्मणबाग गौशाला में गौसेवकों को सम्मानित किया तथा गौपूजन कर गौमाता से आशिर्वाद लिया। इस अवसर पर श्री शुक्ल ने कहा कि गौ एवं गौसेवकों की सेवा त्रिवेणी कुंभ स्नान के प्रथम दिवस की प्रथम मेला में पुण्य अवगाहन है जो त्रिवेणी कुंभ स्नान से कम नहीं है। उन्होंने रेडक्रास सोसायटी एवं उनकी पूरी टीम को पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया। इस अवसर पर रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर शास्त्री ने कहा कि उप मुख्यमंत्रीका मार्गदर्शन से लक्ष्मणबाग गौशाला व विन्ध्य में विकास के नित नये कार्य संपादित हो रहे हैं। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, बालदास महराज, रेडक्रास सोसायटी के पदाधिकारी, पुजारी गोकरण प्रसाद, अध्यक्ष गौशाला समिति घनश्याम ताम्रकार, कमलेश सचदेवा, डॉ. ए.के. खान, महेन्द्र सराफ, अंकित मिश्रा, पीयूष मिश्रा, संजय शुक्ला, अतुल सोंधिया सहित लक्ष्मणबाग के पुजारी तथा गौशाला के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अयोध्या का श्री राम मंदिर ,भारत का और भारतवासी हिंदुओं का स्वाभिमान है :राजेश

गंजबासौदा। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर श्री रामलला का भव्य मंदिर निर्माण की वर्षगांठ को हर्षोल्लाह से मनाया। बासौदा श्री हिंदू उत्सव समिति के सभी कार्यकर्ताओं ने रामलला के चित्र का पूजन ,अर्चन कर दीप प्रज्वलित किए ,आरती की, श्री तिवारी जी ने कहा श्री राम मंदिर भारत का और हम सब भारतवासी हिंदुओं का स्वाभिमान है। एवं आगामी कार्य की योजना बनाई और निश्चित किया कि हिंदुओं के सभी उत्सव मनाने वाली समितियो को जोड़ने के , सहभागिता के, और समन्वय के उद्देश्य से उनका सम्मान कार्यक्रम , वसंत उत्सव पर आयोजित किया जाएगा । इस अवसर पर हिंदू उत्सव समिति के संरक्षक बालकृष्ण अरोड़ा ,देवराज राजपूत अध्यक्ष राजेश तिवारी, संयोजक सुमित मिश्रा ,सचिव आकाश महेश्वरी, सौरभ दुबे ,रविंद्र जैन, धीरेंद्र सिकरवार ,ओम प्रकाश चौरसिया मुन्नालाल शास्त्री , उद्दीच्य, मुकेश तिवारी ,आकाश जी, अभिषेक अवस्थी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय व्याख्यान माला हुआ आयोजन

12 जनवरी को म.प्र जन अभियान परिषद जिला खरगोन द्वारा स्वामी विवेकानंद जंयती के अवसर पर माँ भारती व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर मार्त्यापण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एवं भूमिका जिला समन्वयक विजय शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर जिला संघचालक डॉ अजय जैन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिसमें उन्होने विश्व में भारतीय संस्कृति को स्थापित करने वाले महान आध्यात्मीक गुरू समाज सुधारक युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी भारतीय संस्कृति के संवाहक स्वामी विवेकानंद एक युगदृष्टा सत्यान्वेषक थे। एकात्म सिंद्धात मानव जाति द्विव्यता विविधता की स्वीकृति एमात्मता संदेश भारत जागो अपनी अंर्तनिहित शक्ति से स्व अनुशासन, स्वजागरण, पर्यावरण, नागरिक अनुशासन, विश्व धर्म सम्मेलन 1893, विश्व धर्म महासभा शिकागों में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व करने वाले, किंतु उन्हे भाषण में दो मिनट का समय दिया गया था। परन्तु प्रमुख रूप से भाषण का आरंभ मेरे अमेरिकी भाई एवं बहनों के साथ करने के लिए जाना जाता है। उनके संबोधन के प्रथम वाक्य ने सब का दिल जीत लिया था। गुरू रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। जिनसे उन्होंने सीखा कि सारे जीवों में स्वयं परमात्मा का ही अस्तित्व है।

यह निशान वरदान बनने वाले हैं और केन-बेतवा जीवनदायिनी

कौशल किशोर चतुर्वेदी

निवाड़ी जिले में गांव-गांव तक सड़कों पर चौकोर निशान लगे हैं। सामान्य व्यक्ति को इन्हें देखकर भले ही कुछ समझ में न आए, लेकिन गांव के किसान इन्हें देखकर खुश हो जाते हैं। उन्हें यह पता है कि यह निशान केन-बेतवा लिंक परियोजना के सर्वे के हैं। जल्दी ही काम शुरू होगा और खेत-खेत तक पाइप के जरिए पानी पहुंचाने की व्यवस्था सरकार कर देगी। और पानी खेत-खेत तक पहुंचाकर केन-बेतवा लिंक परियोजना सूखे से अभिशप्त बुंदलेखंड के लिए जीवनदायिनी बन जाएगी। और तब यही निशान वरदान बनकर किसानों के घरों में खुशहाली और समृद्धि लाने वाले साबित हो जाएंगे। किसान यह सोच में भी डूब जाते हैं कि काश यह निशान दस या पंद्रह साल पहले लग जाते, तो उनकी एक पीढ़ी पलायन के अभिशाप से मुक्त हो चुकी होती। पर खुशी इस बात की है कि शिवराज सरकार के समय न सही, पर भाजपा की ही मोहन सरकार के समय कम से कम यह सौगात मिल तो गई है।

हमने तरीचर कलां के प्रेम नारायण वर्मा केन-बेतवा की खुशी से सराबोर हैं। सूखे की हालत यह है कि उनके पास 40-50 बीगा जमीन है। फिर भी साल भर में मुश्किल से उन्हें डेढ़ लाख ही मिल जाएं तो बहुत हैं। वह घर चलाने के लिए खेती के साथ एक स्टेशनरी की दुकान भी खोले हैं। पर केन-बेतवा ने उनको विश्वास हो गया है कि अब साल भर में चार फसलें लेने की स्थिति बन जाएगी। और खेती का मुनाफा भी चार गुना बढ़कर साल भर का कम से कम पांच-छह लाख तो हो ही जाएगा। केन-बेतवा के आने से अब निवाड़ी के किसानों का भाग्य बदलने वाला है। बिनवारा के सरपंच बृजलाल खंगार का मानना है कि केन-बेतवा से चार बीगा जमीन वाले किसानों के परिवार भी जीवन का नया सवेरा देख सकेंगे। उनके बच्चों को कमाई के लिए घर वार छोड़कर दिल्ली, हरियाणा या राजस्थान जाना पड़ता था। अब केन-बेतवा के आने से चार बीगा जमीन में भी उनका गुजारा हो जाएगा। गेहूं की उपज भी

बढ़ेगी और सब्जी वगैरह पैदा कर किसान हजारों पैदा कर लेगा। ऐसे में जिन बच्चों को काम की तलाश में परिवार छोड़कर जाना पड़ता है, वह अब घर पर ही काम में लगे रहेंगे। और केन-बेतवा का दूसरा बड़ा फायदा यह होगा कि खेती की लागत कम हो जाएगी। किसानों को मोटर नहीं चलानी पड़ेगी, जिससे सूखे के साथ-साथ बिजली के बिल से भी मुक्ति मिलेगी। मोटरें जल जाती थीं, उससे भी खेती की लागत बढ़ जाती थी। पर अब पाइप से खेतों में मिलने वाला पानी इन सब झंझटों से मुक्ति दिलाकर खेती को लाभ का धंधा बना देगा। तो काश्तकार नरेंद्र तिवारी की सोच है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना आने के बाद निवाड़ी पंजाब बन जाएगा। एक माह पहले सर्वे शुरू हो गया था। अभी चल रहा है। सड़कों पर वाटर लेबिल के हिसाब से निशान लगाए गए हैं। इस परियोजना में खेत-खेत तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था है। इसमें परती जमीन पर भी खेती करने की उम्मीद किसानों में जगी है। तालाबों का जलस्तर भी बढ़कर जीवन को सुगम बना देगा। वह फिर वही बात दोहराते हैं कि पूरा निवाड़ी क्षेत्र दूसरा पंजाब बन जाएगा।

बात आंकड़ों की करें तो निवाड़ी जिले में 281 गांव हैं। इनमें से 164 गांवों तक केन-बेतवा लिंक परियोजना पहुंच रही है। इसमें निवाड़ी तहसील के 134 गांव और पृथ्वीपुर तहसील के 30 गांव शामिल हैं। और करीब 47 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। इसमें निवाड़ी तहसील का करीब 38 हजार हेक्टेयर और पृथ्वीपुर तहसील का करीब 9 हजार हेक्टेयर रकबा शामिल है। यानि निवाड़ी जिले के करीब 60 फीसदी गांवों तक केन-बेतवा अमृतधारा बन किसानों को धन्य करेगी। तो करीब 2 लाख हितग्राही लाभान्वित होंगे। इसमें से करीब 1.6 लाख निवाड़ी तहसील से और 40 हजार पृथ्वीपुर तहसील से हैं। तो बिनवारा सरपंच बताते हैं कि निवाड़ी भाजपा विधायक अनिल जैन ने भरोसा दिलाया है कि बाकी गांवों को भी केन-बेतवा लिंक परियोजना से जोड़कर उन तक भी सिंचाई का पानी पहुंचाने का प्रस्ताव वह सरकार को भेज चुके हैं। ऐसे में उम्मीद बनी हुई है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना पूरे निवाड़ी जिले को दोनों हाथ से आशीर्वाद देकर जीवनदायिनी बनने वाली है। और सड़कों पर दिख रहे निशान वरदान बनकर किसानों का दिल जीत लेंगेज।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग में प्रधानमंत्री के सामने लटेरी के युवा अभिषेक ने दिया प्रजेंटेशन

सिरोंज। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने लटेरी के बीस साल के युवक अभिषेक सुमन ने युवा दिवस के मौके पर दस मिनट का प्रजेंटेशन देकर सिरोंज लटेरी विधानसभा का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

केंद्र सरकार के आव्हान पर राष्ट्रीय स्तर पर चार चरणों में आयोजित हुई चयन प्रक्रिया में विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2025 कार्यक्रम में दस विषयों के लिए बीस युवाओं ने अपना प्रजेंटेशन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य संबंधित केंद्रीय मंत्रियों तथा अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में देश भर के करीब 30 लाख युवाओं ने भाग लिया था। ÷कृषि में उत्पादकता बढ़ाना÷ विषय पर अपना कौशल दिखाने वाले अभिषेक सुमन की इस कामयाबी पर विधायक उमाकांत शर्मा ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

दिल्ली विश्व विद्यालय से राजनीति शास्त्र में ग्रेजुएशन कर रहे अभिषेक सुमन से दूरभाष पर हुई चर्चा में बताया कि विवेकानंद जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है इस बार केंद्र सरकार ने युवाओं प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि,विरासत, संस्कृति सहित दस चयनित विषयों के लिए चार चरण में अपना बेहतर प्रजेंटेशन देने के लिए आमंत्रित किया था। पहले तीन चरण में इन युवाओं को ऑनलाइन सेमेस्टर प्रक्रिया से गुजरना था इसके बाद चौथे चरण में भोपाल में विशेषज्ञों के समक्ष सीधे चयन प्रक्रिया से जुझारना पड़ा था। जिसके बाद प्रत्येक विषय से तीन तीन चयनित युवाओं को दिल्ली भेजा गया। इसी तरह देश के पूरे प्रदेशों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से तीन तीन के दल में चयनित युवक युवतियां दिल्ली पहुंचे। दिल्ली में आयोजित फाइनल चयन प्रक्रिया में प्रत्येक विषय के दो दो युवाओं का चयन युवा दिवस के अवसर पर भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रजेंटेशन देने के लिए किया गया।

÷कृषि में उत्पादकता बढ़ाना÷ दस मिनट का दिया प्रजेंटेशन -विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2025 के अंतर्गत 12 जनवरी युवा दिवस के मौके पर लटेरी के रहने वाले अभिषेक सुमन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य अतिथियों के सामने कृषि में उत्पादकता बढ़ाना विषय पर दस मिनट का प्रजेंटेशन दिया। जिसे मोदी जी गंभीरता से सुनकर केंद्र सरकार की कृषि नीतियों में शामिल करने का आश्वासन दिया। अभिषेक ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी से हुई सीधी चर्चा में उन्होंने मुझे अपने क्षेत्र में किसानों को जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों को जागरूक बनाने के साथ केंद्र सरकार की योजनाओं के लिए जनजागरण करने को कहा है।

गुरु गोरखनाथ परिवार भोपालवासी नीमनवाड़ा का स्नेह मिलन समारोह

भोपाल विगत कुछ वर्षों से चली आ रही परम्परा अनुसार इस वर्ष भी धनवंतरी पार्क भेल भोपाल में गुरु गोरखनाथ परिवार नीमनवाड़ा भोपालवासीयो का स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न हुआ।

बैतूल जिले में माँ ताप्ती की गोद मे बसे ऐतिहासिक गांव नीमनवाड़ा में 100 वर्षों पूर्व से स्थापित गुरु गोरखनाथ मठ है। छोटे से गांव का नाता शिक्षा जगत में मुख्य स्थान रखता है यहा के लोग हर क्षेत्र में अपनी सेवाएं देश,विदेश में दे रहे है। प्रतिवर्ष यहा के लोग स्नेह मिलन समारोह में एकत्रित हो कर अपनी रीति रिवाजों परम्पराओ एवं संस्कारो का स्मरण करते है।इस अवसर पर खेलकूद,मनोरंजन,गतिविधियाँ होती है जिनमे बच्चों,युवाओं,बुजुर्गों का उत्साहवर्धन करने पुरुस्कार वितरण किया जाता है।

1)गांव पर होने वाले रामनवमी,दीपावली,शिवरात्रि पर होने वाले विभिन्न कार्यो की चर्चा की जाती है।

2)गांव से पढ़ने वाले बच्चों के लिए सहयोग हेतु आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की जाती है।

3)प्रतिवर्ष एक नयी उमंग के साथ उत्साह से परिवार की आवश्यकताओं पर ध्यान देकर उन्हें पूर्ण करने का प्रयास किया जाता है।परिवार के वरिष्ठ उदयराम धोटे, श्रावण धोटे, दीनानाथ धोटे,अजाबराव चढ़ोकर,डॉ खुशराज धोटे। युवा सदस्य- गणेश धोटे,सतीश धोटे,बंटी धोटे,राज बोहरपी एवं राजेश पाटनकर आदि

वन परिक्षेत्र बैरसिया में अनुभूति कैंप के माध्यम से बच्चों को प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

बैरसिया।। वन परिक्षेत्र बैरसिया के अंतर्गत 13 जनवरी 2025 को लंगरपुर सिद्ध बाबा के घने जंगलों में ÷अनुभूति कैंप÷ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जंगल और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझाना था। यह आयोजन मध्य प्रदेश इको-पर्यटन विकास बोर्ड और वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ÷मैं भी बाघ, हम हैं बदलाव÷ की थीम पर आधारित था।कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ललरिया और शासकीय माध्यमिक विद्यालय, दामखेड़ा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों को जंगल का भ्रमण कराकर पेड़-पौधों, औषधीय जड़ी-बूटियों, वन्यजीवों और पर्यावरणीय संतुलन के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण और जंगलों की सुरक्षा का संकल्प लिया

विशेष प्रशिक्षण और जागरूकता सत्र-शासकीय प्रेरक एवं सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक ए के खरे ने बच्चों को पेड़-पौधों की पहचान, उनके औषधीय उपयोग और पर्यावरण में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खाद्य श्रृंखला, जल संरक्षण, दीमक की बांबी, तथा बिल्ली और कुत्ता प्रजातियों के अलावा हिरण और मृग प्रजातियों के बीच अंतर को भी समझाया। इसके अतिरिक्त नदी-नालों में जल प्रवाह और भू-जल संरक्षण की जानकारी दी गई

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)

Municipal Corporation Chhindwara

Add. In front of shukla Ground. guraiya roadward no.39,Chhindwara (M.P) 480001
Tel. 07162- 222346
E.Mail-commchhindwara@mpurban.gov.in

क्रमांक/612/रा.शा./न.पा.नि./20024 छिंदवाड़ा , दिनांक 10-01-25

दुकानों के अन्तरण किये जाने तृतीय निविदा सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा विकसित की जा रही कॉलोनी में भूतल की दुकानों का अंतरण मध्यप्रदेश नगर पालिका अचल सम्पत्ति का अंतरण नियम में दिये गये प्रावधान अनुरूप निर्धारित शर्तो के अधीन प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत क्रास सब्सिडी राशि एकत्रित किये जाने के उद्देश्य से जारी निर्देशों अनुसार 30 वर्ष की लीज पर अंतरण किये जाने हेतु लम्प-सम्प दर पर ऑन लाईन निविदा बुलाई जा रही है निविदा का विस्तृत विवरण https:www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है निविदादाता जो वेबसाईट में पंजीकृत है इस निविदा में दरें प्रस्तुत कर सकते है। अंतरण से संबंधित नियम, शर्तो एवं आरक्षण से संबंधत जानकारी एवं अन्य विवरण कार्यालयीन दिवस में राजस्व शाखा में देखी जा सकती है। आरक्षित दुकान में भाग लेने हेतु जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। विवरण निम्नानुार है:-

स्थल:- आनन्दम् टॉउनशिप स्थित 15 निर्माणाधीन दुकानें

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईज (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की तिथि
2024_UAD_366106_2	4	210	12,00,000	1,20,000	1,000	अनुसूचित जाति वर्ग
2024_UAD_366107_2	13	210	12,00,000	1,20,000	1,000	अनुसूचित जाति वर्ग
2024_UAD_366108_2	14	210	12,00,000	1,20,000	1,000	अनुसूचित जनजाति महिला वर्ग
2024_UAD_366110_2	16	210	12,00,000	1,20,000	1,000	अनुसूचित जाति महिला वर्ग
2024_UAD_366112_2	21	210	12,00,000	1,20,000	1,000	अनुसूचित जनजाति वर्ग
2024_UAD_366113_2	28	210	8,00,000	80,000	1,000	अनारक्षित
2024_UAD_366114_2	29	210	8,00,000	80,000	1,000	अनारक्षित
2024_UAD_366115_2	30	210	8,00,000	80,000	1,000	अनुसूचित जनजाति वर्ग
2024_UAD_366116_2	31	210	8,00,000	80,000	1,000	अनारक्षित
2024_UAD_366118_2	32	210	8,00,000	80,000	1,000	विधवाओं हेतु
2024_UAD_366119_2	33	210	8,00,000	80,000	1,000	अन्य पिछड़ा वर्ग
2024_UAD_366120_2	34	210	8,00,000	80,000	1,000	अनारक्षित
2024_UAD_366121_2	35	210	8,00,000	80,000	1,000	अनुसूचित जाति वर्ग
2024_UAD_366122_2	37	210	8,00,000	80,000	1,000	अनुसूचित जनजाति वर्ग
2024_UAD_366123_2	38	210	8,00,000	80,000	1,000	अनुसूचित जाति वर्ग

स्थान:- खजरी वार्ड क्रमांक 02 स्थित विकसित आवासीय कॉलोनी में निर्माणाधीन 02 दुकानें

टेण्डर क्र.	दुकान क्र.	साईज (वर्गफीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की तिथि
2024_UAD_366124_2	3	170	8,00,000	80,000	1,000	अनुसूचित जाति वर्ग
2024_UAD_366125_2	5	170	8,00,000	80,000	1,000	अनुसूचित जनजाति वर्ग

नोट:-
1. नीलामी से संबंधित अन्य नियम एवं शर्तें https:www.mptenders.gov.in एवं राजस्व शाखा में (अवकाश दिवस छोड़कर) कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।
2. ऑन-लाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **27/01/2025** समय सायं **5.30** बजे तक है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम
छिंदवाड़ा

ठेकेदार को किया अधिक भुगतान ,शासन को 12.70 लाख रुपए का नुकसान अब ठेकेदार और अफसरों से होगा वसूल

भोपाल-जलसंसाधन विभाग के अफसरों ने अपने चहेते ठेकेदार मीरा कंस्ट्रक्शन को उपकृत करने अनुबंध में कार्य के माप से अधिक दर्ज कर ठेकेदार को अधिक भुग़तान कर दिया। इस मामले में लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज किए जाने के बाद शासन को हुए लाखों रुपए के नुकसान की ठेकेदार और अफसरों से वसूली की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जबलपुर के संजीवनी नगर गढ़ा निवासी मीरा कंस्ट्रक्शन को ढाना वियर निर्माण कार्य का आवंटन किया गया था। इसके लिए दिए गए ठेंके में जो अनुबंध जलसंसाधन विभाग और मीरा कंस्ट्रक्शन के बीच कराया गया था। उस अनुबंध कार्य के माप अधिक दर्ज कर ठेकेदार को अधिक भुगतान कर दिया गया जबकि हकीकत में काम कम हुआ था। भुगतान अधिक काम का कर दिया गया। इससे शासन को 12 लाख 70 हजार रुपए का अधिक भुगतान से नुकसान उठाना पड़ा था। इस मामले में लोकायुक्त में शिकायत हुई और जांच के बाद प्रकरण दर्ज किया गया। जांच में शिकायत सही पाई गई। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारी जो इस मामले में दोषी पाए गए उनसे आधी राशि वसूली गई है। आधी राशि छह लाख पैतीस हजार रुपए की वसूली मीरा कंस्ट्रक्शन ब श्रेणी ठेकेदार से की जाना है।

इसके लिए प्रदेश के सभी अधिकारियों से कहा गया है कि मीरा कंस्ट्रक्शन ब श्रेणी के ठेकेदार के नाम से भुगतान हेतु कोई राशि शेष हो तो भुगतान रोककर कार्यपालन यंत्री जलसंसाधन विभाग शुभम अग्रवाल को सूचित करें। फिर सरकार शासकीय धन 6 लाख 35 हजार रुपए की वसूली करेगा। सभी से एक माह के अंदर मीरा कंस्ट्रक्शन पर बकाया राशि की जानकारी मांगी गई है। सूचना नहीं देने वाले कार्यालयों को लेकर यह माना जाएगा कि ठेकेदार की भुगतान हेतु कोई राशि विभाग में लंबित नहीं है। इस सूचना के बाद यदि कोई मीरा कंस्ट्रक्शन को भुगतान करता है तो यह माना जाएगा कि जानबूझकर मीरा कंस्ट्रक्शन को लाभान्वित करने के लिए ऐसा किया गया और संबंधित दोषी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

सोशल मीडिया से

मकर संक्रांति पर आनंद उत्सव में उप मुख्यमंत्री शुक्ल हुए शामिल

भोपाल। मकर संक्रांति के अवसर पर अटल पार्क, रीवा में आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा वासियों के साथ इस उत्सव में भाग लिया और गिप्पी गेंद, साइकिलिंग तथा पतंगबाजी का आनंद लिया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। इसे उमंग और उल्लास के साथ मनायें।

100 सालों में कैसा रहा भारतीय मुद्रा का सफर? समय के साथ कितनी गिरावट आई?

2 ~भारतीय रुपया इन दिनों अपने रिकॉर्ड लो स्तर पर पहुंच गया है। पिछ्ले कुछ समय से डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिरता जा रहा है, और हाल के कुछ हफ्तों में इस गिरावट का रुख और भी तेज़ हुआ है। खासकर अगर हम पिछ्ले एक दशक की बात करें, तो रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले बेहद गिर चुका है। 2014 में एक डॉलर के मुकाबले रुपया 60.32 था, और अब ये 86.62 के स्तर पर आ चुका है। आइए जानते हैं कि आखिर 100 साल में भारतीय रुपये में ये बदलाव कैसे हुआ और समय के साथ रुपये का मूल्य कितना गिरा है?

100 साल पहले रुपये की स्थिति आज से एक सदी पहले, यानी 1925 में जब भारत ब्रिटिश शासन में था, तो भारतीय रुपये का मूल्य काफी मजबूत था। उस समय, भारत का मुद्रा सिस्टम ब्रिटिश पाउंड के अधीन था, और पाउंड की वैल्यू भी मजबूत थी। 1925 में 1 अमेरिकी डॉलर की कीमत सिर्फ 2.76 रुपये थी। कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर, रक्षाबंधन के पहले खाते में आएगी ष्ठ एरियर की राशि, आदेश हुए जारी सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए खुशखबरी! ष्ठ में हुई इतनी बढ़ोत्तरी, जल्द मिलेगी बढ़ी सैलरी लेकिन, जैसा कि हम जानते हैं, 100 सालों में भारतीय रुपया अपनी वास्तविक क्रय शक्ति और विदेशी मुद्राओं के मुकाबले बहुत कमजोर हुआ है। आज एक रुपया उन वस्तुओं को नहीं खरीद सकता, जो 1925 में खरीदी जा सकती थीं। इस गिरावट के प्रमुख कारणों में मुद्रास्फीति, आर्थिक नीतियां और वैश्विक कारक शामिल हैं।

स्पोर्टस कामपलेक्स रीवा में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने खेल सुविधाओं की ली जानकारी

भोपाल। उप मुख्यमंत्र राजेन्द्र शुक्ल आज प्रात~अपने भ्रमण के क्रम

में स्पोर्टस काम्पलेक्स पहुंचे तथा वहां प्रदान की जा रही खेल सुविधाओं की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री ने स्पोर्टस काम्पलेक्स में विभिन्न खेल विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों से संवाद किया तथा व्यवस्थाओं के संबंध में पूंछताछ की। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने उप मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि आपके प्रयास से हमें यह अनुपम सौगात मिली है। स्पोर्टस काम्पलेक्स में हम विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण ले रहे हैं तथा खेल गतिविधियों में भी शामिल हो रहे हैं।

अमेज़न की 'ग्रेट रिपब्लिक डे सेल' में बड़ी बचत करें, सेल शुरू

बेंगलुरु, एजेंसी। बहुप्रतीक्षित शॉपिंग फेस्टिवल, अमेज़न इंडिया की 'ग्रेट रिपब्लिक डे सेल,' 13 जनवरी 2025 को दोपहर 12 बजे लाइव होगी, जिसमें प्राइम सदस्यों के लिए 12 घंटे का विशेष अर्ली एक्सेस मिलेगा। ग्राहक नए साल की खरीदारी स्मार्टफोन, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बड़े उपकरण, किराना सामान, रोजमर्रा की ज़रूरतें और अन्य कई कैटेगरी में उपलब्ध लाखों प्रोडक्ट्स पर कर सकते हैं। शॉपर्स वनप्लस, एप्पल, बोट, सैमसंग, सोनी, एलजी, क्रॉक्स, टाइटन, लॉरियल, लैक्मे, पैम्पर्स और अन्य प्रमुख ब्रांड्स के बेहतरीन प्रोडक्ट्स की विस्तृत रेंज का पता लगा सकते हैं। अपने पसंदीदा उत्पादों को शानदार कीमतों पर खरीदने और अविश्वसनीय बचत के साथ साल की शुरुआत करने का यह मौका न चूकें।

आईडीबीआई बैंक ने आईडीबीआई सीनियर सिटिजन एफडी लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने 'आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटिजन एफडी' लॉन्च की है। यह फिक्स्ड डिपॉज़िट 80 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश की गई है। इस एफडी में बैंक की स्टैंडर्ड फिक्स्ड डिपॉज़िट दरों के ऊपर अतिरिक्त 65 बेसिस पॉईंट्स (बीपीएस) और सीनियर सिटिजन दरों के ऊपर 15 बेसिस पॉईंट (बीपीएस) मिलेंगे। इस लॉन्च के बारे में श्री सुमित फक्का, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर, आईडीबीआई बैंक ने कहा, ''हमें 'आईडीबीआई चिरंजीवी - सुपर सीनियर सिटिजन एफडी' लॉन्च करने की खुशी है। यह एफडी सुपर सीनियर सिटिजंस के लिए पेश की गई है। यह उन्हें निवेश का सुरक्षित विकल्प प्रदान करेगी, तथा उन्हें वित्तीय सुरक्षा के साथ मानसिक सुकून देगी।''

मिसेज यूनिवर्स बनी छत्तीसगढ़ की सुजैन, 121 देश की सुंदरियों को पछाड़ा

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ की सुजैन खान ने 121 देश की सुंदरियों को पछाड़कर मिसेज यूनिवर्स 2025 का खिताब जीत लिया है। सुजैन ने यह खिताब जीतकर भारत और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता मिसेज यूनिवर्स का आयोजन थाईलैंड में हुआ।

इसमें रायपुर की सुजैन खान ने भारत की ओर से पार्टिसिपेट किया। जेके फाउंडेशन (इंटरनेशनल) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में दुनियाभर की 121 देशों की सुंदरियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के तीन राउंड्स में सुजैन ने अपनी सुंदरता, आत्मविश्वास, और असाधारण प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया और विजेता का ताज अपने नाम किया।

सुजैन एक जानी मानी सुपरमॉडल, टीवी एक्ट्रेस के नाम से रायपुर ही नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ में पिछ्ले 7 वर्षों से काफी मशहूर रही हैं द्य इसके अलावा, वह एक इंश्योरेंस कंपनी की स्ब्ष्ट्रञ्ज अवार्ड भी जीत चुकी हैं। सुजैन खान की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि पूरे देश और राज्य के लिए गर्व की बात है। उनकी इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ और भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई है।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में नशा ग्रुप के ओनर रणदीप अरोड़ा, एंकर और सेलेब्रिटी लकी तरार, मिस थाईलैंड किम शाह, और रशियन एक्ट्रेस समेत कई अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्व शामिल रहे।

भेरुंदा में पत्रकारों के खिलाफ झूठी एफआईआर के विरोध में मध्य प्रदेश मीडिया संघ ने सोपा ज्ञापन

प्रदेश के मुख्यमंत्री से एफ आई आर पर खात्मा लगाने की मांग

सिरोंज। मध्य प्रदेश मीडिया संघ तहसील सिरोंज के अध्यक्ष सलमान अमीन के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी को एक ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में लेख किया है लाडकुई रेंज के वन विभाग के कुछ कर्मचारियों द्वारा जंगल से जप्त सागौन की सिल्ली एवं अवैध कटाई करके एक बिना नंबर की बोलोरो पिकअप वाहन के द्वारा ले जा रहे थे। उसी अनुचित परिवहन को देखकर भैरौदा जिला सीहोर के पत्रकार ने अपने मोबाइल कैमरे से वीडियो बनाए जाने पर वन विभाग के कारनामों को दबाने के लिए पत्रकारों के विरुद्ध झूठी एफआईआर दर्ज कर दी गई। पत्रकार रियाज खान नसीफ़ मंसूरी आमीन मंसूरी अनीश मंसूरी के खिलाफ जो एफआईआर दर्ज की गई है उसको मध्य प्रदेश मीडिया संघ ने प्रदेश

के मुख्यमंत्री से ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि एफआइआर पर खात्मा लगाया जाए। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सलमान अमीन नसीम खान सलमान खान अब्दुल अलीम रिंकू सुमन ऋषि शर्मा पुरन साहू आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रतिमा स्थापना का दिया आश्वासन

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)- ओबेदुल्लागज बाबा साहब के अनुयाइयों ने नगर परिषद प्रशासन के विरुद्ध भोपाल रोड अंबेडकर चौराहा पर बाबा साहेब की प्रतिमा के सामने अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरने प्रदर्शन का कार्यक्रम सोमवार को शुरू किया गया था। जो देर शाम समाप्त कर दिया गया जो 2 साल में नहीं करवा पाए वह कुछ घंटे में हुआ। नगर परिषद ने लिखित में दिया है कि 1 महीने में प्रतिमा स्थापना का दिया आश्वासन।

क्या एआई पावर्ड वेयरेबल 'नियोसेपियन' जीत पायेगा शार्क्स का दिल

मुंबई, एजेंसी। कल्पना कीजिए एक ऐसी दुनिया की, जहाँ एक साधारण वेयरेबल डिवाइस से हम अपनी याददाश्त, निर्णय लेने की क्षमता और उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं। नियोसेपियन एक एआई-पावर्ड पेंडेंट है, जिसे शार्क टैंक इंडिया सीज़न 4 में प्रस्तुत किया गया था। यह डिवाइस टेक्नोलॉज़ी के साथ हमारे व्यवहार को बदलने की क्षमता रखता है। नियोसेपियन के संस्थापक, धनंजय यादव और आर्यन यादव, दो कज़िन्स हैं, जिन्होंने इस ब्रांड की स्थापना की। उनका मिशन है लोगों को अपनी गतिविधियों पर अभूतपूर्व नियंत्रण देना और होमोसेपियन्स को नियोसेपियन्स में बदलना। नियोसेपियन का आइडिया एक गहरी व्यक्तिगत त्रासदी से उत्पन्न हुआ था। धनंजय के चचेरे भाई, जो एक सेना अधिकारी थे, का अचानक निधन हो गया, जबकि धनंजय बर्लिन में थे। कुछ दिन पहले ही उनके चचेरे भाई ने उन्हें फोन करके कहा था, मैं जल्दी मिलने आ रहा हूँ। इस अचानक हुई हानि ने धनंजय को इस बात का पछतावा दिलाया कि उन्होंने अपने जज़्बात खुलकर नहीं व्यक्त किए थे। इस अनुभव ने उन्हें एक ऐसा उत्पाद बनाने की प्रेरणा दी, जो लोगों को अपने कामों को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने में मदद करे, और साथ ही संचार में दूरी को कम करके गहरे रिश्ते बनाने में सहायक हो। अपने चचेरे भाई आर्यन, जो एक एआई इंजीनियर हैं, के साथ मिलकर, धनंजय ने नियोसेपियन को विकसित किया—यह एक वेयरेबल डिवाइस है, जिसे

वन कक्ष भिलवादादर में अनुभूति प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ समापन

मंडला--जिले के विकासखण्ड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया के पोषक ग्राम अतरिया अंतर्गत वन कक्ष क्रमांक 1092 बीट सिमैया के भिलवादादर में वन विभाग ईको पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल के निर्देशन में दो दिवसीय अनुभूति प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। वन परिक्षेत्र मोहगाव, पूर्व सा. वनमण्डल मण्डला अंतर्गत मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल द्वारा अनुभूति कार्यक्रम 2024-2025 का आयोजन वनमण्डलाधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी, जगमण्डल, पूर्व सा. वनमण्डल मण्डला के मार्गदर्शन में किया गया। इस वर्ष अनुभूति कार्यक्रम ÷मैं भी बाघ और %हम है बदलाव÷ की थीम पर आयोजित किया गया। जिसका उद्देश हम सभी को बाघ की तरह प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने एव उनके संरक्षण में अपना सकारात्मक योगदान देने के लिये प्रेषित करना है। मध्यप्रदेश में आयोजित अनुभूति कार्यक्रम देश में एक मात्र कार्यक्रम है जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को वन विभाग द्वारा प्रकृति परिचय और वन्य जीवन के संरक्षण के बारे में शिक्षित किया

जाता है। अनुभूति शिविर में विद्यार्थियों को प्रकृति से जोडने, उसे साक्षात अनुभव कराये जाने, विभिन्न प्राकृतिक एवं परिस्थितिकीय गतिविधियों तथा प्रबंधन को समझने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस शिविर के प्रथम दिन में दिनांक 12.01.2025 को शासकीय माध्यमिक शाला मुनू , के 135 छात्र/छात्राओं को शामिल किया गया।दुसरे दिन भी शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय मुनू के 135 छात्र छात्राओं को शामिल किया गया।शिविर में उपस्थित छात्र/छात्राओं को मास्टर ट्रेनर बी एस वरकडे सेवानिवृत्त वनक्षेत्रपाल एवं राजेन्द्र सिंह परस्ते वन परिक्षेत्र अधिकारी मोहगांव सा. के द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण सरक्षण, पक्षी दर्शन, जैव विविधता, वन औषधि, वन्यप्राणी और वन प्रबंधन की सामान्य जानकारी एवं प्रकृति से जुड़ने हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में बच्चों को कैप, बैग, अनुभूति बुक, पेन इत्यादि सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम अन्तर्गत स्थानीय समितियों एवं वनधन केन्द्रों के माध्यम से तैयार बिस्कुट, आंवला केण्डी एवं पत्तों से निर्मित दोना पत्तल का उपयोग किया गया जिसमें बच्चों को भोजन कराया गया। दोपहर के भोजन उपरान्त कुर्सी दौड प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र/छात्राओं को पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। ÷मैं भी बाघ÷ और ÷हम है बदलाव थीम के गीत में सभी विद्यार्थियों द्वारा अपनी सहभागिता दी गई तथा शिविर की समाप्ति के पूर्व सभी विद्यार्थियों, कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधी एवं विभागीय वन अमला को शपथ ग्रहण कराया गया तथा शिविर के आयोजन से संबधित फीडबैक फार्म को अनुभूति के तहत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

श्रीराम मन्दिर द्वारा दान दी गई 2 एकड़ भूमि पर 10 करोड़ की लागत से बना 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल

अब क्षेत्र के लोगों को पहले से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी: प्रहलाद पटेल

नरसिंहपुर.। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने दो एकड़ भूमि पर 10 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवनिर्मित 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण किया गया। यहां नवीन अस्पताल भवन सनातनी मंदिर समिति करेली द्वारा प्रदत्त दो एकड़ की भूमि में बनाया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने टीबी के मरीजों को फूड बास्केट का भी वितरण किया। इस दौरान नवनिर्मित अस्पताल का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर सांसद लोकसभा चौ. दर्शन सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका करेली की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता नेमा, जनपद पंचायत करेली की अध्यक्ष सुश्री प्रतिज्ञा परिहार व उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू मनमोहन साहू, सनातन मंदिर समिति के प्रधान आचार्य शिवनारायण व समिति के अन्य सदस्य, पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अन्य अधिकारी- कर्मचारी और नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि चिकित्सा सुविधा की बात होती है, तो हमें अतीत और भविष्य के बारे में भी सोचना चाहिये। चिकित्सा क्षेत्र में दिन प्रतिदिन जरूरतें बढ़ती हैं, उसकी दृष्टि से शहर तथा अन्य मरीज़ों के लिए दूर अस्पताल बन जाने से लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि करेली शहर सनातनी धर्मादा ट्रस्ट राम मंदिर समिति करेली द्वारा दो एकड़ की भूमि अस्पताल के लिए देकर सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया है।आज इस भूमि पर 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल बन जाना वास्तव में अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि करेली नगर सामाजिक सरोकारों के लिए जागरूक नगर है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जिले को टीबी मुक्त करने का संकल्प लेना होगा। टीबी की बीमारी से डरने की ज़रूरत नहीं है। भारत सरकार ने टीबी मुक्त भारत का संकल्प लिया है। हम सबको बिना डरे उस टीकाकरण का लाभ लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि गरीब, अमीर, स्वस्थ व्यक्ति और नशा नहीं करने वाला भी व्यक्ति कहीं न कहीं टीबी का शिकार हो सकता है। इसलिए टीबी की जांच करायें और इसका टीका लगवायें, इसमें कोई दिक्कत नहीं है। हमें इस कदम में आगे बढ़ना चाहिये।

मंत्री श्री पटेल ने कहा है कि हमारे सामने दूसरी चुनौती नौजवानों की नशे की लत है।हम सभी को इसकी चिंता करनी चाहिये। नशे के ख़िलाफ़ जागरूक होने के लिए हमें एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशे के विरोध में और नशा मुक्ति के समर्थन में है, उन सामाजिक, राजनैतिक और तमाम लोगों को मिलकर जिले को नशा मुक्त बनाना होगा। इस अस्पताल को बनाने में जो सक्रिय भागीदारी निभाई उनको धन्यवाद और शुभकामनायें।

सांसद चौ. दर्शन सिंह ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी- कर्मचारियों और नागरिकों को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई। इतना अच्छा अस्पताल और उसका परिसर बनाने के लिए जो जमीन दान में दी है, उस सनातनी धर्मादा ट्रस्ट राम मंदिर समिति को धन्यवाद दिया। सरकार सभी क्षेत्रों में विकास के काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवा दिवस पर सूर्यनमस्कार को पूरे विश्व में मान्यता दी है और आज देश की अर्थ व्यवस्था पटरी पर आ गई है। सरकार ने आम जनता के लिए स्वास्थ्य सुविधायें मुहैया और आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराई है, उनका आप लाभ लें। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घरों में योग करें और निरोग रहें।

पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि सभी नागरिकों को इस अस्पताल में निश्शुल्क इलाज मिले और हमारा जीवन सुखपूर्वक हो सकें, इसके लिए सनातनी धर्मादा ट्रस्ट राम मंदिर समिति का अस्मरणीय योगदान है।

यूनिटी बैंक ने मध्यप्रदेश में पेंच में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

सिवनी। नये जमाने के बैंक यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (यूनिटी बैंक) ने पेंच में अपनी शाखा खोलने की घोषणा की है। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध

जैव-विविधता, बाघ अभयारण्य और फलते-फूलते पर्यटन उद्योग के लिये जाना जाता है। सिवनी जिले के बादलपार गांव में स्थित अत्याधुनिक शाखा भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिये बैंक की प्रतिबद्धता दिखाती है। मध्यप्रदेश के इंदौर, पन्ना और सिवनी (पेंच) में यूनिटी बैंक की शाखाएं हैं। इसके आगे, बैंक भोपाल में भी अपनी शाखाएं खोलने की योजना में है। नई शाखा का उद्घाटन श्री जसपाल बिन्द्रा सेंट्रम ग्रुप के कार्यकारी चेयरमैन ने यूनिटी बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन की उपस्थिति में किया। यूनिटी बैंक वरिष्ठ नागरिकों के लिये 9.50प्रतिशत प्रतिवर्ष की आकर्षक दर पर सावधि जमा की पेशकश करता है, जबकि दूसरे निवेशक 9.00प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अर्जित कर सकते हैं। यूनिटी बैंक बचत खातों के लिये 7.50प्रतिशत प्रतिवर्ष, 5 लाख रूपये से ज्यादा की शेषराशि पर ... और 1 लाख रूपये अधिक तथा 5 लाख रूपये तक के जमा शेष पर 7.25प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज देता है। इसके अलावा, चुनिंदा शाखाओं में प्रतिस्पर्द्धी दरों पर लॉकर्स भी उपलब्ध हैं।

पेंच वन्यजीवन गंतव्य के तौर पर अपनी पहचान और इको-टूरिज़्म तथा संबद्ध सेवाओं में अपनी बढ़ती क्षमता के कारण यूनिटी बैंक के लिये एक अनूठी

आयुष चिकित्सकों का नव वर्ष मिलन समारोह नीमा प्रदेश सह सचिव डॉ साहू का किया सम्मान

छिंदवाड़ा। आयुष चिकित्सकों का नव वर्ष मिलन समारोह नागपुर रोड स्थित होटल में नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन छिंदवाड़ा द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम के अध्यक्षता पूर्व जिला आयुष अधिकारी डॉ आर के जैन द्वारा की गई इस अवसर पर डॉ गणेश प्रसाद साहू का स्वागत, डॉ हरीश सतनामी द्वारा डॉ अरविंद राऊत का स्वागत डॉ अनिल लखेरा के द्वारा डॉ रामकुमार वर्मा का स्वागत डॉ अश्विनी गुर्जर के द्वारा डॉ रमेश चौरसिया का स्वागत कमलेश सोनारे के द्वारा डॉ एक शर्मा का स्वागत, डॉ उपेंद्र भारद्वाज के द्वारा डॉअभय बापट का स्वागत डॉक्टर भूषण खुलझे गई के द्वारा किया गया तथा इस आयोजन में नीमा प्रदेश कार्यकारिणी में निर्वाचित होने पर सह सचिव डॉ मयंक कुमार साहू का सम्मान चिकित्सकों के द्वारा किया गया,कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री ओम रघुवंशी, श्री सुरेश जी का विशेष योगदान रहा।

कुम्भ के लिए छिंदवाड़ा से चले रेल

छिंदवाड़ा। प्रयागराज में कुंभ प्रारम्भ हो गया, रेल्वे ने छिंदवाड़ा से कोई भी ट्रेन प्रयागराज चलाने की जरूरत नहीं समझी, नागपुर रीवा ट्रेन बन्द है, इसे प्रयागराज तक नही चलवा सकते तो छिंदवाड़ा रीवा तक ही ट्रेन चल सकती है। जिससे श्रद्धालू रीवा से इलाहबाद भी जा सकते है, वैसे रीवा को प्रयागराज तक चलाने की जरूरत थी, सांसद चाहते तो रेलमंत्री से मिलकर इसे प्रारम्भ करवा सकते थे।

छिंदवाड़ा और पांढुर्ना में लगेगा रोजगार मेला

छिंदवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय छिंदवाड़ा, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था एवं जिला व्यापार उद्योग केन्द्र छिंदवाड़ा के द्वारा युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था खजरी रोड छिंदवाड़ा में 15 जनवरी 2025 बुधवार को प्रातः 11 से शाम 4 बजे तक किया गया है। रोजगार मेले में 05 कंपनियां उपस्थित रहेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने संपूर्ण डॉक्यूमेंट/रिज्यूम के साथ निर्धारित तिथि व समय पर संस्था में उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ ले सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि रोजगार मेले में महले इंजीनियरिंग प्रायवेट लिमिटेड स्किल विजन ऑर्गनाईजेशन पीथमपुर द्वारा मशीन ऑपरेटर पद के लिये योग्यता 10वीं/12वीं पास के लिय वेतनमान 12000 से 15000 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 32 वर्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) सौंसर/पांढुर्णा द्वारा (केवल महिला अभ्यर्थी) बीमा सखी पद के लिये योग्यता 10वी एवं 12वीं पास के लिये वेतनमान प्रथम वर्ष में 7000 रूपये, द्वितीय वर्ष में 6000 रूपये और तृतीय वर्ष में 5000 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 70 वर्ष, स्टारटेक छिंदवाड़ा द्वारा कस्टमर सर्विस एसोसिएट पद के लिये योग्यता 12वीं/स्नातक पास के लिये वेतनमान 13000 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 28 वर्ष, एस.आई.एस.नागपुर द्वारा सिक्योरिटी सुपरवाईजर/गार्ड के लिये योग्यता 10वीं/12वीं के लिये वेतन मान 14000 से 25000 रूपये तथा आयु 18 से 35 वर्ष व सतीजा मोटर्स प्रायवेट लिमिटेड छिंदवाड़ा/महिन्द्रा मोटर्स छिंदवाड़ा में ब्रांच मैनेजन/सेल्स एक्जिकिटिव पद के लिये योग्यता 12वीं/स्नातक/आई.टी.आई.पास के लिये वेतन 9500 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष होना चाहिये।

पांढुर्णा में जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप मेले

पांढुर्णा कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय छिंदवाड़ा एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पांढुर्णा, वरूड रोड जिला पांढुर्णा में 15 जनवरी 2025 बुधवार को प्रातः 11 से शाम 4 बजे तक किया गया है। रोजगार मेले में 05 कंपनियां उपस्थित रहेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने संपूर्ण डॉक्यूमेंट/रिज्यूम के साथ निर्धारित तिथि व समय पर संस्था में उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ ले सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि रोजगार मेले में सफल (सुरूची) फूड प्रोडक्ट प्रायवेट लिमिटेड बोरगांव सौंसर द्वारा ऑपरेटर पद के लिये योग्यता आई.टी.आई. एवं 12वीं पास के लिये वेतनमान 11000 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष, ड्रायटेक प्रोसेस प्रायवेट लिमिटेड पांढुर्णा द्वारा अप्रेन्टिसशिप पद के लिये योग्यता आई.टी.आई. तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 23 वर्ष, एसएससीआई सिक्यूरिटी सर्विसेस नागपुर द्वारा सुरक्षा जवान/सुरक्षा पद के लिये योग्यता 10वीं/12वीं पास के लिये वेतनमान रूपये एवं राज्य सरकार के अनुसार तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 40 वर्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) सौंसर/पांढुर्णा द्वारा (केवल महिला अभ्यर्थी) बीमा सखी पद के लिये योग्यता 10वी एवं 12वीं पास के लिये वेतनमान प्रथम वर्ष में 7000 रूपये, द्वितीय वर्ष में 6000 रूपये और तृतीय वर्ष में 5000 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 70 वर्ष एवं सतीजा मोटर्स प्रायवेट लिमिटेड छिंदवाड़ा/महिन्द्रा मोटर्स छिंदवाड़ा में ब्रांच मैनेजन/सेल्स एक्जिकिटिव पद के लिये योग्यता 12वीं/स्नातक/आई.टी.आई.पास के लिये वेतन 9500 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्षहोना चाहिये।

एसपी ने बस स्टैंड में शराब दुकान के सामने दी दबिश

छिंदवाड़ा। बस स्टैंड में शराब दुकान के सामने लगी भीड़ को खदेड़ते हुए एसपी अजय पांडेय. वहीं उन्होंने दारू दुकान संचालक को समझाईश दी की सड़क में व्यवस्थित पार्किंग करवाए और कोई भी ठेले सड़क पर ना लगाया जाये।

परिक्षेत्र कन्हान अंतर्गत राघादेवी मंदिर में अनुभूति कार्यक्रम

सौसर। वन परिक्षेत्र कन्हान (सा.) अंतर्गत शंकर भोले देवस्थान गुफा मंदिर राघादेवी में मध्यप्रदेश ईको पर्यटन बोर्ड एवं म.प्र. वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन एल.के. वासनिक वनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में प्रमोद चोपड़े उपवनमंडलाधिकारी सौंसर के निर्देशन में किया गया, जिसमें शासकीय स्कूल बडोसा, राघादेवी, बिसाला, लोहांगी के लगभग 120 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से किया गया, कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रातः नेचर ट्रेल विचरण एवं वन भ्रमण किया, जिसमें बच्चों को वन, वन्यजीव संरक्षण, पारिस्थितिकी, पर्यावरण एवं ईको पर्यटन की समझ विकसित करने का प्रयास किया गया। बच्चों को जंगल के अंदर ट्रेकिंग, पक्षी दर्शन, वन्यप्राणियों, पेड़-पौधों की पहचान एवं महत्व को अनुभूति प्रेरक पवन भकने एवं शुभम चौहान द्वारा बताया गया। भोजन उपरान्त चित्रकला प्रतियोगिता, अनुभूति कार्यक्रम से संबंधित प्रश्?नमंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, तदुपरान्त प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान, सांत्वना पुरूस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कमलनाथ व नकुलनाथ ने व्यक्त की शोक संवेदना

छिन्दवाड़ा— मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने तामिया ब्लॉक की कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती रूपा साहू के निधन पर गहन दुख व्यक्त किया है। नेताद्वय ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्री चरणों में स्थान देने व शोकाकुल परिवार को यह गहन दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की।

वोट जैसा कुछ नहीं, जरूर डालेंगे हम वोट विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता

छिंदवाड़ा! जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस अवसर पर शनिवार को प्रधानमंत्री कॉलेज

ऑफ एक्सीलेंसशासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छिंदवाड़ा में प्रो.महेंद्र साहू (स्वीप नोडल अधिकारी) की निगरानी में (कैंपस एंबेसडर) संकल्प विश?वकर्मा और भूमिका धुर्वे के नेतृत्व में वोट जैसा कुछ नहीं, जरूर डालेंगे हम वोट विषय पर एक हजार शब्दों में महाविद्यालय स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र ओम चौरसिया,सुरजीत ठाकुर,अमित कुमार बराई आदि छात्रों ने भाग लिया और प्रथम स्थान पर मयंक कुमार विश्वकर्मा, द्वितीय ऋषि नेमा, तृतीय कु. आर्या डाहके रही!

सांसद खेल महाकुंभ में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं खिलाड़ी

छिंदवाड़ा। 14 जनवरी से सांसद खेल महाकुंभ के तहत कबड्डी, वॉलीबॉल पुलिस ग्राउंड ,कैरम स्टेडियम ग्राउंड, बास्केटबॉल गर्ल्स कॉलेज ,पतंग महाकुंभ सांसद कार्यालय के सामने बर्मन मैदान में प्रारंभ होगी। आज कुश्ती प्रतियोगिता खेल विभाग कल्याण विभाग के हाल में तथा हैंडबॉल प्रतियोगिता डी एच एस मैदान में संपन्न हुई। बैडमिंटन ,फुटबॉल, कराते, रस्सी कूद एथलेटिक्स में लंबी कूद, ऊंची कूद, 400 और 800 मीटर की दौड़ में खिलाड़ियों ने जोर-जोर से भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्रीमती शालिनी विवेक बंटी साहू ,श्री विक्रम आहके महापौर एवं सभापति व अन्य जनप्रतिनिधि ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।खेल महाकुंभ में संचालित की जा रही 32 खेल प्रतियोगिताओं के संचालन में संयोजक नितिन खंडेलवाल ,भाजपा खेल प्रकोष्ठ के संयोजक अंकित सोलंकी, राकेश चौरसिया, श्रेय जैन, राजेश मालवीय, योगेश्वर चौरिया, आनंद गिरिपूंजे, सौरभ पोहोकर ,संदीप मालवीय सहित आयोजन समिति के सदस्य विशेष भूमिका निभा रहे हैं।

भाजपा 25 जनवरी तक चलाएगी संविधान गौरव अभियान

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान मनाने जा रही है। इस अभियान के लिए भाजपा जिला महामंत्री श्री टीकाराम चंद्रवंशी को जिला संयोजक एवं श्रीमती ज्योति डेहरिया, अरूण चंदेल, जगदीश गोदरे को जिला सह संयोजक नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में संविधान गौरव अभियान को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष एवं मंडल प्रतिनिधी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अभियान को लेकर दिशा निर्देश भी जारी किए गए।

सांसद खेल महाकुंभ में चल राय खेलों का महापौर ने किया निरीक्षण

छिंदवाड़ा। सांसद खेल महाकुंभ के अंतर्गत चल रहे खेलों के मैदान हैंडबॉल, शूटिंग, फुटबॉल, हाई जंप, आज दिनांक 13 जनवरी 2024 को सांसद खेल महाकुंभ के अंतर्गत चल रहे खेलों के मैदान हैंडबॉल, शूटिंग, फुटबॉल, हाई जंप, लॉन्ग जंप,नेटबाल एवं बैडमिंटन के खेलों का महापौर श्री विक्रम अहके ने निरीक्षण किया तथा उत्साह वर्धन किया महापौर जी ने कहा कि माननीय सांसद विवेक बंटी साहू जी के मार्गदर्शन में संसदीय क्षेत्र छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा खेलमय हो गया है उनके साथ भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अंकित सोलंकी जी ने बताया कि सांसद के निर्देश अनुसार सभी खेलों में प्रतिभागी संसदीय क्षेत्र के कोने-कोने से हिस्सा ले रहे हैं आने वाले समय में इस प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ी छिंदवाड़ा का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक रोशन करेंगे इस अवसर पर सभापति मनोज कुशवाहा, सभापति श्री जागेंद्र अलडक, योगेश्वर चौरिया एवं अंकित तिवारी आदि भी उपस्थित थे।

4 करोड़ 325 लाख के निर्माण कार्यो का भूमिपूजन

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव के अंतर्गत करोड़ों रूपये के लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। सांसद ने 75 लाख की लागत से बने आई.डी.एस.एम.टी योजना अंतर्गत सी-1 कॉम्पलेक्स निर्माण का लोकार्पण किया साथ ही 25 लाख की लागत से बने मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का भी लोकार्पण किया, वही मुख्यमंत्री अद्योसंरचना विकास योजना चतुर्थ चरण अंतर्गत 4 करोड़ 23 लाख के निर्माण कार्य एवं कायाकल्प अभियान 2.0 योजना के अंतर्गत 75 लाख रूपये के निर्माण कार्यो का भूमिपूजन किया।नगर पालिका द्वारा आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि नगरपालिका जुन्नारदेव के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जी ने करोड़ों रुपए उपलब्ध कराए हैं इससे पता चलता है प्रदेश में विकास के लिए तीव्र गति से काम हो रहा है ।सांसद ने कहा कि नगर पालिका के अध्यक्ष और समिति द्वारा काम्प्लेक्स का भी निर्माण किया गया है जिसमें 42 दुकान बनी है यह जुन्नारदेव के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी।क्योंकि कॉम्लेक्स बनने से अन्य गतिविधियों के साथ-साथ व्यावसायिक गतिविधियां भी बढ़ती है यह जिम्मेदारी नगर पालिका निभाई है और इस कॉम्प्लेक्स से युवा साथी रोजगार प्रारंभ करना चाहते हैं पुराने व्यवसाय जो अपना रोजगार बढ़ाना चाहते हैं यह कॉम्प्लेक्स मील का पत्थर साबित होगा सांसद ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में भी लगातार काम कर रही है और उसका उदाहरण देखने को मिला है कि 25 लाख की लागत से संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण हो रहा।लोकार्पण एवं भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पालिका के अध्यक्ष रमेश सालोडे पूर्व विधायक नत्थन शाह भाजपा महामंत्री परमजीत बिज, जुन्नारदेव भाजपा अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती सोनिया कुमरे सभापति पार्षद गण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा पुलिस की बड़ी कामयाबी...

नागपुर के तड़ीपार युवक ने बिछुआ-मोहखेड़ में लगाई सेंध, हुए गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। बिछुआ, मोहखेड़ और लावाघोघरी थाना क्षेत्र के गांवों में सूने पड़े घरों से सोना-चांदी और नकदी उड़ाने वाले अंतरराज्यीय चोर गिरोह को पकड़ने में छिंदवाड़ा पुलिस को सफलता मिल गई। छिंदवाड़ा पुलिस टीम ने लगातार दूसरे दिन चोर गिरोह को दबोचकर चोरी का माल जब्त किया है।खास बात यह है कि नागपुर से तड़ीपार 21 साल का शातिर चोर इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड निकला, जो अब जेल की हवा खाएगा। प्रकरण में ग्रामीण अंचलों में दोपहर में हो रही लगातार चोरी की घटना के संबंध मे पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को अपराधी की धरपकड एवं नाकाबंदी कर तलाश करने हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी बिछुआ उनि. महेन्द्र भगत के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर अपराध के संबंध में दिशा निर्देश जारी किये गये थे। इसी क्रम में गठित पुलिस टीम के द्वारा लगातार घटना स्थल के आस पास लगे सी सी टी वी कैमरे को खंगाला गया एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपी की तलाश पतासाजी की गई जो विशेष टीम द्वारा आज सुबह करीबन 09 बजे शंकरवन मेले में तकनीकी संसाधनों से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर संदेहियों के संबंध में सूचना प्राप्त होने पर जिन्हें पुलिस टीम के द्वारा घेराबंदी कर एक बिना नम्बर की एक्टिवा गाड़ी में तीन संदेही युवक मेले में ताला गले घरों के आस-पास घूम रहे थे जिन्हे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया गया आरोपियो द्वारा पुलिस टीम को सामने खड़ा हुआ देख संदिग्ध युवक स्कूटी छोड़कर खेत की ओर भागे जिन्हें पीछा कर पकड़ा गया, संदेहियों से नाम पता पूछने पर अपना नाम राहुल पिता रावाजी उइके उम्र 21 वर्ष निवासी मारामय नगर काटोल (महाराष्ट), सूरज पिता नायरण कुशवाहा उम्र 21 वर्ष निवासी मारमय नगर काटोल (महाराष्ट) एवं हिमांशु पिता रामा दोयजोड़ उम्र 24 वर्ष निवासी राठी ले आउट काटोल (महाराष्ट) होना बताया गया। जिनसे विस्तृत पूछताछ करने पर पूर्व में हुई थाना बिछुआ, लावाघोगरी, मोहखेड़ तथा जिला पाढर्णा में चोरी की घटना कारित करना स्वीकार किये तीनो आरोपीयो से लगभग 9.5 तोला सोना और करीबन 35.695 तोला चांदी के जेवर किमती करीबन 8 लाख रूपये का जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री द्वारा अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं: विवेक साहू

सांसद ने किया जुन्नारदेव महाविद्यालय में पीएससी की निशुल्क कोचिंग का शुभारंभ

छिंदवाड़ा। शासकीय महाविद्यालय जुन्नारदेव में निशुल्क पीएससी की कोचिंग का सांसद बंटी विवेक साहू ने शुभारंभ किया । इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संस्थाएं और कॉलेज बढ़ाया जा रहा है साथ हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने से बच्चों को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिलेंगे सीटें बढ़ेंगी। शिक्षा को लेकर भी प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है छिंदवाड़ा में यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग जल्दी बने इसको लेकर भी प्रयास किया जा रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व विधायक नत्थन शाह कवरेती, परमजीत बिज

कांग्रेस ने घोषित की जुन्नारदेव ब्लॉक की कार्यकारिणी

संगठन को और अधिक मजबूत करने सौंपी जिम्मेदारी

छिन्दवाड़ा— मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के निर्देशानुसार जुन्नारदेव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित की गई है।जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे, जुन्नारदेव विधानसभा प्रभारी श्री गोविंद राय, जुन्नारदेव विधायक श्री सुनील उइके एवं पर्यवेक्षक छोटू पाठक से चर्चा के उपरांत कार्यकारिणी में संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है जो निम्नानुसार है।जुन्नारदेव ब्लॉक अध्यक्ष अरूण साहू के साथ घोषित कार्यकारिणी में समन्वयक अशोक विश्वकर्मा एवं रमेश राय मनोनीत किए गए हैं। कार्यकारी अध्यक्ष हेमराज पवार, रियाजुददीन सिददीकी व कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी श्याम यदुवंशी को सौंपी है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष— नवीद सिददीकी, उपेन्द्र शर्मा, सूरज यदुवंशी, प्रेमशाह भलावी मनोनीत किए गए हैं।

उपाध्यक्ष— राकेश खरे, अशोक यदुवंशी, नासीर खान, शंकर कुमरे, शिवमोहन कवरेती, दिलीप साहू, जतर परतेती एवं लखन विश्वकर्मा को घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

महामंत्री— शैलेन्द्र शर्मा, घनश्याम बरखाने एवं शिवाजी यादव को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

सचिव— प्रेम उइके, दिलीप बारसिया, शशीकांत मालवीय, रमेश आम्रवंशी, संतोष चौकसे, संजय विश्वकर्मा मनोनीत किए गए हैं।

प्रवक्ता— राजेश पाटिल एवं निसार गुल खान मनोनीत किए गए हैं।

सहसचिव— कमलेश उइके, रघु काकोडिया, जानकी सेठ, आशाराम बानवंशी एवं मुस्तफा खान को सहसचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

प्रचार मंत्री— चंद्रविजय धुर्वे, कमलेश यदुवंशी, शनिलाल परतेती, अनुप अतुलकर, सुखलाल कैथवास एवं नानेन्द्र शर्मा को प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया है।

कोषाध्यक्ष— यशदीप साहू एवं अंकित राय को घोषित कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सदस्य— प्रेमेन्द्र जैन गामा, राजेश अहाके, महेश डेहरिया, नवाब भाई, रसीद खान, हर्षद मिरानी, अर्जुन उइके, कैलाश विश्वकर्मा, सुखलाल कुमरे, संतोष पाटिल, रामकिशोर यदुवंशी, कपूरचंद सरयाम, सागर आम्रवंशी, गुलाब कहार, विकास डेहरिया एवं दिलीप चौहान को जुन्नारदेव ब्लॉक की घोषित कार्यकारिणी में सदस्य मनोनीत किया गया है।

भाजपा बन गई भ्रष्टाचारियों को पनाह देने वाली पार्टी: सिरसाम

हर्रई नप में सरकारी योजनाओं पर खूब हुई बंदरबांट ईओडब्ल्यू ने भाजपा के दबाव में नहीं की कोई कार्रवाई

छिन्दवाड़ा। सरकारी योजनाओं में घोटाले, गबन व भ्रष्टाचार करने के उपरांत पुलिस व प्रशासनिक कार्रवाई से बचने का एकमात्र व सुरक्षित स्थान भाजपा पार्टी है। इस पार्टी की पनाह में जाते ही सारे पाप धुलकर भ्रष्टाचारी भी बेदाग हो जाते हैं, यह भाजपा की सत्ता का कमाल है जिसका इस्तेमाल विधायक कमलेश प्रताप शाह एवं श्रीमती माधवी शाह को बचाने के लिए किया जा रहा है। भाजपा जिला ही नहीं बल्कि प्रदेश व देश स्तर पर भी सरकारी एजेंसियों का जमकर दुरुपयोग कर रही। उक्त उदगार आज जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस एसटी सेल के कार्यकारी अध्यक्ष शिवकुमार सिरसाम ने व्यक्त किए। हर्रई नगर परिषद की तात्कालीन अध्यक्ष श्रीमती माधवी शाह व वर्तमान भाजपा विधायक श्री कमलेश प्रताप शाह ने सरकारी योजनाओं पर जमकर बंदरबांट की है। दोनों के खिलाफ करोड़ों रुपयों की हेराफेरी से जुड़ी शिकायतों के बाद भी जांच व कार्रवाई नहीं होना यह सिद्ध कर रहा कि भाजपा भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही, इसीलिये आज दिनांक तक श्री कमलेश शाह एवं श्रीमती माधवी शाह पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि इनके द्वारा किए गए गबन, घोटाले व भ्रष्टाचार के सम्पूर्ण दस्तावेज जांच एजेंसियों को सौंपे जा चुके हैं। हर्रई नगर परिषद में गबन के अलावा शासकीय योजनाओं की राशि के दुरुपयोग का मामला भी सामने आया जिसकी शिकायत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल में की गई किन्तु कार्रवाई नहीं हुई।

आज लगेगा मिलेट्स फुड फेस्टिवल

बैंगन का भुर्ता मक्के और ज्वार की रोटी का लें स्वाद

छिन्दवाड़ा। जिले में जिला स्तरीय श्री अन्न (मिलेट्स) फूड फेस्टिवल का आयोजन 14 और 15 जनवरी 2025 को पोला ग्राउण्ड छिंदवाड़ा में किया जा रहा है। जिसका शुभारम्भ आज दोपहर 01 बजे छिंदवाड़ा सांसद विवेक साहू एवं कलेक्टर शीलेंद्र सिंह द्वारा किया जाएगा। इस जिला स्तरीय मिलेट्स फूड फेस्टिवल का आयोजन जिले में श्री अन्न (मिलेट्स) फसलों कोदो, कुटकी, सवां, ज्वार, बाजरा एवं रागी) के मिलेट्?स उत्पादों का प्रचार प्रसार करने, श्रीअन्न फसलों की ब्रांड वैल्यू स्थापित करने संबंधी गतिविधियों के साथ - साथ प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा कृषकों, युवा, उद्यमियों, एफपीओ एवं उपभोक्ताओं को जोडने हेतु श्री अन्न फसलों के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए किया जा रहा है। मिलेट्स मेला दोपहर 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित रहेगा, जिसमें मिलेट्स से बने व्यंजनों का लुत्फ जिलेवासी अपने परिवार के साथ मेले में आकर उठा सकते हैं। अपर कलेक्टर के.सी. बोपचे की अध्यक्षता में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए उप संचालक कृषि जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि फूड फेस्टिवल में जिले के एफपीओ, स्व-सहायता समूहों, एनजीओ और निजी संस्थाओं द्वारा विभिन्न फूड स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां मिलेट्स से बने व्यंजनों का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। इसके अलावा, जिले के प्रसिद्ध हैंडिक्राफ्ट उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इस आयोजन में जिले के आदिवासी अंचलों की संस्कृति को लोकनृत्य और लोकगीतों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई है कि वे 14 और 15 जनवरी को पोला ग्राउण्ड छिंदवाड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्री अन्न (मिलेट्स) से बने स्वादिष्ट व्यंजनों का परिवार सहित आनंद उठाएं।

फार्मेसी काउंसिल में मनमानी के चलते रजिस्ट्रेशन के लिए परेशान हो रहे फार्मासिस्ट

मण्डला--एम पी फार्मासिस्ट एसोसिएशन को लगातार फार्मेसी काउंसिल में व्याप्त अनियमितताओं की लगातार शिकायत प्रदेश के फार्मासिस्ट करते आ रहे हैं जिसमें नए रजिस्ट्रेशन और रिन्यूअल संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही थी इसके संदर्भ में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित सिंह ठाकुर जी ने पत्र लिख कर ईमेल के माध्यम से प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला जी को अवगत करवाया है जिसमें फार्मासिस्ट साथियों द्वारा प्राप्त शिकायतों की जानकारी साझा की है।उन्होंने बताया कि पूर्व में भी पत्र के माध्यम से मंत्री जी को रजिस्ट्रेशन न होने के कारण पत्र लिखा गया था जिसमें कार्यवाही करते हुए मंत्री जी ने फार्मेसी काउंसिल की रजिस्ट्रार महोदया को दिशा निर्देश जारी किए थे।लेकिन अब फिर से काउंसिल में वही पुरानी स्थिति पैदा हो गई है।

प्रदेश के दूर दराज इलाकों से अपने रजिस्ट्रेशन की स्थित पता करने फार्मासिस्ट जब भोपाल जाते हैं तो फार्मेसी काउंसिल के कर्मचारी सीधे मुंह बात नहीं करते कभी बोलते हैं कि कॉलेज से वेरिफिकेशन लेटर नहीं आया और जब फार्मेसी कॉलेज में जा कर पूछते हैं तो वो बोलते हैं कि हमने भेज दिया है। कभी पोर्टल के माध्यम से नए नए डॉक्यूमेंट दुबारा से अपलोड करने का मैसेज कर देते हैं। यदि सब कुछ ठीक रहता है तो बोल देते हैं रजिस्ट्रार मैडम के पास सिग्नेचर होने को गया है जिसमें महीनों लग जाते हैं। सही मायने में देखा जाए तो फार्मेसी काउंसिल के कर्मचारी या तो काम नहीं करना चाहते या फिर फार्मासिस्टों को परेशान करना कर्मचारियों का उद्देश्य ही बन गया है। फार्मेसी काउंसिल में हेल्प डेस्क की ना तो कोई व्यवस्था है और ना ही कोई व्यवस्थित संपर्क करने के लिए फोन है एक पुराना है तो वह हमेशा व्यस्त कर दिया जाता है।

इन सभी परेशानियों के निराकरण शीघ्र हो सके इस संदर्भ में प्रदेश के जागरूक स्वास्थ मंत्री जी को पत्र के माध्यम से जानकारी देते हुए फार्मेसी काउंसिल की प्रक्रिया सरल करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार करने का आग्रह किया गया है। यदि कोई उचित कार्यवाही 15 दिवस के अंदर नहीं होती है तो पूरे प्रदेश के फार्मासिस्ट फार्मेसी काउंसिल में उग्र आंदोलन के लिए विवश हो जायेगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार की होगी। उपरोक्त जानकारी प्रदेश मीडिया अध्यक्ष श्री राजवीर त्यागी जी ने दी है।

ग्राम पंचायतों में लगाये जायेंगे शिविर

नरसिंहपुर, मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जिले की नगरीय निकायों व 6 जनपद पंचायतों में क्लस्टर के अनुसार ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में 14 जनवरी को जनपद पंचायत गोटेगांव के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कंधरापुर, बौछार व कापखेड़ा, जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चारगांवखुर्द के पंचायत मुख्यालय और जनपद पंचायत साईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डुंगरिया व निवावर में शिविर लगाये जायेंगे।

नगर परिषद ने 24 लोगों को झुग्गी बस्तियों में रहकर जीवन यापन करने वाले लोगो को आवासीय पट्टे बांटे

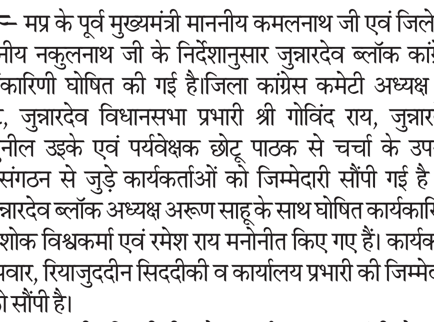

धार। नगर परिषद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव की उपस्थिति में 24 हितग्राहियों को पट्टे दिए गए। नगर में स्थित झुग्गी बस्तियों में निवासरत 31 दिसंबर 2020 तक काबिज लोगो को जमीन के पट्टे बांटने का अभियान मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर चलाया जा रहा है। इसी के तहत सोमवार को नगर परिषद कार्यालय में नगर के 24 हितग्राहियों को आवासीय पट्टे भेंट किए गए।

नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव ने बताया कि हितग्राहियों को दिए गए पट्टे से काबिज भूमि पर रहने का अधिकार, आवास योजना में आवास योजना की पात्रता व बैंक से ऋण मिलने की मान्यता भी रहेगी। नगर में ऐसे कई लोग निवासरत थे। जिनकी भूमि का कानूनी अधिकार नही था। अब पट्टे मिलने से उस भूमि के वे स्वामी बन गए है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में अन्य और चयनित लोगो को पट्टे वितरित किए जाएंगे।

शराब दुकानों के अहातों का विकल्प खोजा, राजस्व का लक्ष्य 16 हजार करोड़

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार नई आबकारी नीति में कई बड़े बदलाव करने जा रही है। इसके तहत पवित्र धार्मिक शहरों में शराब बिक्री को प्रतिबंधित करना, शराब दुकानों के आसपास अहातों के विकल्प के तौर पर परमिट रूम खोलना, ग्रामीण इलाकों में 211 नई शराब दुकानें खोलने का प्रस्ताव है। आबकारी विभाग ने इस वित्त वर्ष में 16 हजार करोड़ रु. के राजस्व का लक्ष्य निर्धारित किया है।

आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नई नीति का ड्राफ्ट तैयार कर लिया। अब इस प्रस्ताव को कैबिनेट की समिति को भेजा गया था, जिस पर सोमवार को चर्चा हुई। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का कहना है कि अहातों के विकल्प पर मंथन किया जा रहा है। कुछ विकल्प भी सामने आए हैं।

शिवराज सरकार ने अपने कार्यकाल में शराब दुकानों के पास बनने वाले अहातों को बंद कर दिया था। अब मोहन यादव सरकार उसकी जगह परमिट रूम खोलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए नई आबकारी नीति में शराब दुकान से 100 मीटर के दायरे में मिनी बार के तौर पर लाइसेंस देने का प्रस्ताव है।

कैबिनेट की सब कमेटी ने शराब के दाम 15 प्रतिशत तक कम करने और शराब पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने के विकल्पों पर भी मंथन किया। एक्साइज ड्यूटी बढ़ेगी, तो शराब के दाम भी बढ़ेंगे। हालांकि, इन दोनों मुद्दों पर आखिरी फैसला कैबिनेट की बैठक में किया जाएगा।

नई आबकारी नीति के मुताबिक 80 प्रतिशत पुरानी शराब दुकानों के ठेके 20 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ रिन्यू होंगे। सरकार धार्मिक और पवित्र नगरी से शराब दुकानें हटाने का फैसला ले सकती है। ऐसे में उज्जैन नगर निगम समेत 13 शहरों की नगरपालिका और नगर पंचायत सीमा के भीतर की दुकानें बंद किए जाने का प्रस्ताव है।

सेक्यूलर पाजामे में सांप्रदायिक लंगोट

श्रीकांत आप्टे

उस दिन बाबूलाल जी आंगन में खटिया पर लेटे हुए आराम फर्मा रहे थे। काफी थके हुए लग रहे थे। नौकर उनके बदन की मालिश कर रहा था।

बहुत थके हुए लग रहे हैं, कहां लगे रहे ? मैंने आंगन में प्रवेश करते हुए कहा।

क्या बताएं साहब, रोज सुबह और शाम चार-चार घंटे सेक्यूलर हो रहे हैं । वे कराहते हुए बोले।

जवाब में मेरे बोलने लायक कुछ नहीं था सो मैं चुप रहा।

मेरी ओर करवट लेकर कहने लगे, आप ही बताइए। भला ये कहां कि शराफत है कि किसी को सेक्यूलर दिखना आता हो तो उससे ये उम्मीद की जाए कि लगातार सुबह,शाम तीन-चार घंटे सेक्यूलर दिखते रहो ?

दरअसल, आजकल रमज़ान का महिना चल रहा है। मोहल्ले के शिव मंदिर में महिने भर रुद्राभिषेक के आयोजन के लिए इससे बेहतर समय भला और कौन सा हो सकता है? माइक पर पांच बार अजान की जवाबी कार्रवाई के लिए सुबह से रात तक माइक पर शिव भजन और आरती चल रही है। आयोजनकर्ता मोहल्ले के ही हैं जो बाबूलाल जी के ही छर्रे हैं। सुबह घंटाभर आरती के लिए जाना पडता है। शाम को रोज़ा इफ्तार के लिए। मन मारकर ही सही लेकिन जाना पडता है रोज़ा इफ्तार में।जैसे,तैसे उसे निपटाते हैं कि शाम की आरती के लिए छर्रे पुकार लगाने लगते हैं। बेचारे बाबूलाल जी को सुबह की आरती, फिर शाम को रोज़ा इफ्तार उसके बाद शाम की आरती। कई घंटों तक सेक्यूलर दिखना पडता है।

जरूरी है क्योंकि चुनाव सिर पर है। हाई कमान का आदेश भी है। आदेश न होता तब भी करते। काफी जोरों की अफवाह है कि इस बार बाबूलाल जी का टिकट पक्का है।

बाबूलाल जी बोले, मौका पडने पर दिन भर में घंटे-सवा घंटे हमें सेक्यूलर दिखने का बढ़िया अभ्यास है। राजनीति में हैं सो सेक्यूलर रहने का इतना अभ्यास तो होना ही चाहिए भाई। पर रोज कई घंटे, वह भी पूरा महिना। उनके चेहरे पर पीड़ा साफ दिख रही थी।

अभी तो केवल पांच ही दिन हुए हैं मैंने उन्हें छेड़ा।

वही तो। पच्चीस दिन शेष हैं ये सोचकर दिल बैठा जा रहा है। वे बोले।

मैंने कहा, राजनीति की खातिर पांच दिन काफी होते हैं।

वे आवेश में आकर बोले यहां नहीं तो वहां, इफ़्तार पार्टी भी तो रोज होती है।

फिर अपने चेलों के लिए कुछ अप्रकाशनीय शब्दों का प्रयोग कर बोले, लौंडों ने अभिषेक भी पूरे महिने भर का रख लिया। रोज मंदिर जाओ तो इफ़्तार में भी जाना ही पडेगा। नहीं तो घुस गया आपका सेक्यूलरिजम।

उनके जैसे नेता के लिए इतना सेक्युलरिज्म बहुत ज़्यादा और जानलेवा था। वे इस समय खटिया पर लस्तपस्त पडे थे।

पडे-पडे कहने लगे, देश में इतने और ऐसे बड़े वाले सेक्यूलर पैदा हो गए हैं कि भैया पूछोई मत। कीचड़ सी मचा दी है भाई लोगों ने सेक्युलरिज्म की। जिसका दिल चाहे वही अपना सेक्युलरिज्म ले उतर पडता है कीचड़ में। दिल खोलकर छप-छप चल रही है। सबके पास है सेक्युलरिज्म। तो भैया हम काहे पीछे रहें। रोज थोड़ा-थोड़ा करते हमने भी खासा सेक्युलरिज्म जमा कर लिया है।

सेक्युलरिज्म पर इतना लंबा बोलने से बाबूलाल जी की सांस फूल गई थी।

मैंने कहा, आपको सेक्युलर का मतलब ही नहीं मालूम।

आपको मालूम है? उन्होंने पलटवार किया। चूतियों जैसी बात कर रहे हैं आप। सेक्युलर के मतलब से क्या लेना-देना। हम सेक्यूलर हैं तो हैं,बस्स।

सभी जानते हैं कि वे एक नंबर के लफंगे,भ्रष्ट, बेईमान, घोटालेबाज और लंगोट के ढ़ीले हैं।करोड़ो रुपयों के घोटालों के आरोप हैं उन पर। माफिया सरगना इनके यार हैं। खुद हिस्ट्रीशीटर हैं और हिस्ट्रीशीटरों से खूब छनती है। कितने मुकदमें उन पर चल रहे हैं ये उन्हें भी याद नहीं। वकील उनको बताते हैं कि अड़तीस नंबर वाले केस की सुनवाई आज है , बयालीसवें की पिछ्ले महिने हुई थी और पैंतालीसवे की सुनवाई अगले महिने होगी।

ये सब करते हुए भी वे सौ फीसदी सेक्यूलर रहते हैं। उनके लिए लड़की केवल लड़की होती है और रूपयों का कोई धर्म नहीं होता। यही उनका सेक्युलरिज्म है और इस से एक इंच भी नहीं डिगते। सामने अगर एक भी श्रोता हो तो नेता की आवाज में जोश भर जाता है।

कहने लगे, बाऊजी , सेक्युलरिज्म की भस्मी पोते जो बड़े बाबाजी हैं उनका हाथ है हमारे सिर पर। धरम का डमरू हाथ में लिए जितना चाहे अपराध का तांडव करो। किसी का बाप कुछ नहीं उखाड़ सकता हमारा। मैंने कहा, देश में थाना, कचहरी भी तो हैं।

हंसते हुए बोले, वहां जो भी हैं वे भी तो बड़े बाबाजी के आशीर्वाद से ही वहां हैं। गुरू भाईयों पर कोई हाथ डालता है भला ? वर्दी खाकी है या कोट काला, सभी के भीतर के लंगोट का रंग...समझदार हो तो कौन सा रंग मत पूछ लेना।

थोड़ी देर खामोशी छाई रही। वे शायद मेरी समझदारी को तौल रहे थे।

समझाते हुए बोले, देखो, सेक्युलरिज्म दो तरीकों का होता है। एक तुम्हारा वाला चूतियाटिक तरीका, बिल्ली के गू जैसा न लीपने का न पोतने का।एकदम खालिस। खालिस तो घी भी नहीं पचता किसी को आजकल और आप लगे हैं खालिस सेक्युलरिज्म परोसने में। कौन खा सकता है भैये। अगर खिला दो तो शर्तिया पचा नहीं सकता। नेता जब भाषण के मूड में आ जाए तो भलाई इसी में है कि आप चुप हो जाएं। मैं चुप था। वे चालू थे।

कोने में टंगे झोले की ओर इशारा करते हुए बोले, उस झोले को देख रहे हैं। एकदम हमारे तरह के डिजाइन का बनवाया है। जलसों में ले जाते हैं। एक ओर सेक्यूलर, दूसरी ओर ... आप समझ ही गये होंगे। जलसे के हिसाब से झोले को भीतर, बाहर पलट लेते हैं। आपके जैसा थोड़ेई कि सेक्यूलर हैं तो बस्स हैं। हमारे जैसा सेक्यूलर होना हंसी-ठठ्ठा नहीं है। फूंक सरक जाती है अच्छो,अच्छों की।

उन्होंने कुछ भारी-भरकम शब्द हिंदी और उर्दू दोनों के रट रखे हैं। संत सम्मेलन का शुभारंभ करते हैं और मुशायरे का आगाज़ करते हैं।

भारतीय प्रजातंत्र की राजनीति में यही मजे हैं। सेक्यूलर पाजामें के भीतर सांप्रदायिक लंगोट पहने रहो और जीभर के नंगई करो। मौका मुनासिब देख, चाहो तो पाजामा भी उतार दो। अब तो बड़े-बड़े भी यही कर रहे हैं। महाजनो येन गता-सो पंथा।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने संभाला कार्यभार

भोपाल। भोपाल के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने प्रदेश महामंत्री एवं दक्षिण-पश्चिम विधानसभा विधायक भगवान दास सबनानी, भोपाल जिला संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुमित पचौरी, भोपाल नगर निगम महापौर श्रीमती मालती राय की उपस्थिति में विधि विधान से पूजन कर कार्यभार संभाला।

यति ने भवानी चौक कर्फ्यू वाली माता का पूजन कर आशीर्वाद लिया तथा प्रदेश कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर प्रदेश पदाधिकारियों का आभार जताया। जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, इंद्रजीत सिंह राजपूत,मनोज राठौर, बालिस्ता रावत, रवि शर्मा, संतोष जाट, वंदना परिहार, छाया ठाकुर, गुड्डू भैया एवं अनेक कार्यकर्ताओं ने शाल श्रीफल, गुलदस्ता भेंटकर, माला पहनाकर जिला अध्यक्ष रविंद्र यति का भव्य स्वागत किया।

पदोन्नत आईपीएस अफसरों को नई पोस्टिंग का इंतजार

2 आईजी संभाल रहे डीआईजी का काम, 3 डीआईजी निभा रहे एसपी की जिम्मेदारी

भोपाल। इस साल एक जनवरी को पदोन्नत हुए आईपीएस अफसरों को नई पोस्टिंग का इंतजार है। इस इंतजार में आईजी बन चुके दो अफसर अब भी डीआईजी की जिम्मेदारी ही संभाल रहे हैं, जबकि डीआईजी बन चुके तीन अफसर एसपी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

गौतलब है कि एक जनवरी को वर्ष 2000, वर्ष 2007 और वर्ष 2010 बैच के दस आईपीएस अफसरों की पदोन्नति हुई थी। इनमें से सभी अफसरों को फिलहाल पुरानी जगह पर ही रखकर पदोन्नति दे दी गई है। वर्ष 2007 बैच के अफसर सचिन अतुलकर जबलपुर आईजी रेंज में आने वाले छिंदवाड़ा में डीआईजी हैं। इसी तरह कुमार सौरभ भी चंबल रेंज में डीआईजी हैं वे भी पदोन्नत होकर आईजी बन चुके हैं। इन दोनों अफसरों को अब आईजी रेंक पर पोस्टिंग दी जाना है। पदोन्नति के बाद ये दोनों अफसर डीआईजी का काम ही देख रहे हैं। वहीं एसएसपी रेडियो विजय खत्री, एसपी अशोक नगर विनीत कुमार जैन और एसपी धार मनोज कुमार सिंह तीनों ही अफसर पदोन्नत होकर डीआईजी बन चुके हैं। इन तीनों ही अफसरों को डीआईजी की जिम्मेदारी सौंप जाने का इंतजार है।

रीवा रेंज में नहीं आईजी

इधर रीवा रेंज में इन दिनों आईजी रेंक का अफसर पदस्थ नहीं हैं। यहां के आईजी महेंद्र सिंह सिकरवार 31 दिसंबर को रिटायर हो चुके हैं। उनके रिटायर होने के बाद यहां पर आईजी की पोस्टिंग की जाना है। इधर प्रदेश में डीआईजी की संख्या 42 हो चुकी है। डीआईजी रेंज सभी भरी हुई हैं, ऐसे में यदि इन तीनों अफसरों को रेंज में भेजा जाता है तो आईपीएस के बड़ी संख्या में तबादले हो सकते हैं।

पूर्व प्रांत संघचालक ,वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कुमार अष्ठाना का निधन, मुख्यमंत्री ने किया शोक व्यक्त

इंदौर। पूर्व प्रांत संघचालक,वरिष्ठ पत्रकार और इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार अस्थाना का आज सुबह देवलोक गमन हो गया है। जानकारी अनुसार अंतिम संस्कार आज शाम 4 बजे होगा। उनके निधन पर मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं पत्रकारों ने

शोक व्यक्त किया है। अस्थाना ने लगभग 30 वर्षों से बाल साहित्य की अग्रणीय बाल पत्रिका देवपुत्र के माध्यम से जन सामान्य तक हिन्दी भाषा की पहुँच बनाने तथा पत्रकारिता जगत् में बाल साहित्य को स्थान दिलाने में महती भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत के पूर्व माननीय संघचालक, देवपुत्र समाचार पत्रिका के संस्थापक व संपादक, विद्याभारती मध्य क्षेत्र के पूर्व सचिव व वरिष्ठ पत्रकार श्री कृष्ण कुमार अस्थाना जी के अवसान पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी संवेदनाऐं व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धेय अस्थाना जी ने अपनी लेखनी के माध्यम से राष्ट्रवादी विचारधारा की साहित्यक धरोहर को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी पुस्तकें, वार्ताएं और आलेख अविस्मरणीय रहेंगे। उनका योगदान हमें सदैव प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकसंतप्त परिवार को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान के तहत कन्नौद में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की उपस्थिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं से महात्मा गांधी और बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। साथ ही, महू में आगामी 27 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

महाकुम्भ एंवम सक्रांति पर संतो ने स्वस्ति वाचन कर बांटी महाकुम्भ लिखित पतंग व तिल के लड्डू

भोपाल। भारतीय संस्कृति के महापर्व, विश्व का सबसे बड़ा मेला कुंभ उत्तरायण के साथ आरम्भ हो चुका है, गुरुनानक मण्डल द्वारा संक्रांति के पर्व पर ब्राह्मणों द्वारा स्वस्तिवाचन कर विधि विधान के साथ आम जन को महाकुंभ की पतंग एवं तिल्ली के लड्डू वितरित किए। गुरुनानक मण्डल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कि 144 वर्ष बाद आये सदी के सबसे बड़े आद्यात्मिक और धार्मिक महापर्व महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है, इस उपलक्ष्य में भोपालवासियों को कुंभ एवं संक्रांति के पावन पर्व की शुभकामनाएं दे कर पतंग एवं लड्डू वितरित कर रहे है

इस अवसर पर महंत अनिलानंद ने कहा यह आयोजन न केवल कुंभ मेले की शुरुआत के अवसर पर मनाया जा रहा है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं को भी प्रदर्शित करता है। उन्होंने आगे कहा कि कुंभ मेला हमारे देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है

इस अवसर पर पंडित विजय बाजपाई, पंडित कृष्णकांत, पंडित शांता महराज, सुनील सराठे, राजकुमारी डागोर, मुकेश गांठे सहित आमजन उपस्थित थे

भोपाल। राजधानी में मकर सक्रांति के अवसर पर कई जगह पतंगबाजी हो रही है। इसमें महिलाएं भी हिस्सा ले रही हैं।

मप्र में मकर संक्रांति पर कोहरा, कल से मावठा गिरेगा

भोपाल-इंदौर , ग्वालियर-उज्जैन संभाग में बदलेगा मौसम ; 17 जनवरी से फिर बढ़ेगी ठंड

भोपाल। मकर संक्रांति पर मध्यप्रदेश में कोहरे का असर है। भोपाल, ग्वालियर समेत 20 से ज्यादा जिलों में कोहरा छाया हुआ है। वहीं, 15 जनवरी को मावठा गिरेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन संभाग में बारिश हो सकती है। सिस्टम के गुजरने के बाद 17 जनवरी से ठंड का असर फिर बढ़ जाएगा।

मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धामले ने बताया, 14 जनवरी से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर 15 और 16 जनवरी को प्रदेश में देखने को मिलेगा। सिस्टम जैसे ही गुजरेगा, प्रदेश में ठंड का असर फिर से बढ़ जाएगा।

14 जनवरीको भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, रायसेन, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी और सिंगरौली में कोहरा रहेगा। 15 जनवरी को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, नीमच, मंदसौर में हल्की बारिश हो सकती है। 16 जनवरी को विदिशा, सागर, दमोह, पन्ना में हल्की बारिश हो सकती है। 17 जनवरी को इस दिन मौसम साफ रहेगा। कोहरे या बारिश का अलर्ट नहीं है।

24 शहरों में पारा 23 डिग्री से नीचे

सर्द हवाओं की वजह से सोमवार को पूरा प्रदेश ठिठुर गया। दिन के तापमान में कहीं 2 तो कहीं 5 डिग्री तक की गिरावट हुई। सबसे कम तापमान रायसेन में 17.8 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 18.8 डिग्री रहा। यहां एक ही दिन में पारा 3 डिग्री तक लुढ़क गया। इसी तरह सिवनी में 18.4 डिग्री, धार-पचमढ़ी में 18.9 डिग्री, उज्जैन में 19 डिग्री, नर्मदापुरम में 19.4 डिग्री, इंदौर में 19.5 डिग्री, रीवा में 19.7 डिग्री, शिवपुरी, मलाजखंड-सीधी 20 डिग्री, गुना-रतलाम में 20.2 डिग्री, जबलपुर में 20.3 डिग्री, नौगांव में 20.5 डिग्री, बैतूल में 20.7 डिग्री, उमरिया में 20.8 डिग्री, दमोह में 21 डिग्री, ग्वालियर में 21.2 डिग्री, सतना में 21.4 डिग्री, सागर में 21.8 डिग्री, खजुराहो में 22.4 डिग्री, मंडला में 22.8 डिग्री तापमान रहा।

24 घंटे में बारिश, कोहरा भी रहा

इससे पहले भोपाल समेत 8 जिलों में हल्की बारिश हुई। ग्वालियर-इंदौर समेत 15 जिलों में सुबह कोहरा रहा। वहीं, पूरे प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट देखने को मिली। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार-सोमवार की रात में इंदौर में 7.6 डिग्री, उज्जैन में 9 डिग्री, भोपाल में 10 डिग्री, ग्वालियर में 10.8 डिग्री और जबलपुर में पारा 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात में सबसे ठंडा धार रहा। यहां रात का पारा 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजगढ़ में 7 डिग्री, पचमढ़ी में 7.9 डिग्री, रतलाम में 8.5 डिग्री, गुना में 9 डिग्री, नौगांव में 9.6 डिग्री, नरसिंहपुर में 10 डिग्री, टीकमगढ़ में 10.3 डिग्री, रायसेन में 10.7 डिग्री और रीवा में 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य शहरों में भी पारे में गिरावट हुई है।